हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 345 बेमेतरा, मंगलवार 11 अगस्त 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मुख्यमंत्री साय ने हाथ में तिरंगा थामकर किया भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व

140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधता है तिरंगा

रायपुर। हाथों में लहराता तिरंगा, भारत माता के जयघोष, देशभक्ति के गीत और राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हजारों नागरिकों का उत्साह - राजधानी रायपुर पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंगी नजर आई। बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम से सुभाष स्टेडियम तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा में हजारों नागरिक राष्ट्रध्वज के तले एकजुट हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं हाथ में तिरंगा थामकर जनसैलाब के साथ कदम से कदम मिलाया। यात्रा में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

स्कूली विद्यार्थियों द्वारा हाथों में थामा गया लगभग एक किलोमीटर लंबा तिरंगा पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहा। तिरंगा यात्रा के शुभारंभ से लेकर समापन तक राजधानी में राष्ट्रभक्ति का अदभुत वातावरण दिखाई दिया। हजारों हाथों में एक साथ लहराते राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता के जयघोष ने पूरे यात्रा मार्ग को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। मुख्यमंत्री साय भी नागरिकों के बीच तिरंगा लेकर आगे बढ़े। इस दौरान नागरिकों में मुख्यमंत्री के साथ चलने और राष्ट्रध्वज के सम्मान में आयोजित इस यात्रा का हिस्सा बनने को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। यह केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और असंख्य बलिदानों का प्रतीक है। तिरंगे में देश के 140 करोड़ भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की अदभुत शक्ति है। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और क्षेत्रों की विविधता के बावजूद तिरंगा हम सभी को भारतीय होने के एक साझा गौरव से जोड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तिरंगा लहराता है तो प्रत्येक भारतीय के मन में स्वाभाविक रूप से राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान का भाव जागृत होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्ष, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और एक सशक्त राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा का साक्षी है।

तिरंगा हमें अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी स्मरण कराता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान एक व्यापक जनअभियान का स्वरूप ले चुका है। इस अभियान ने तिरंगे को घर-घर तक पहुंचाने के साथ राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में पूरे सम्मान और गौरव के साथ तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्राओं से जुड़कर राष्ट्रीय एकता के इस उत्सव को और भव्य बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम जिस स्वतंत्र भारत में गर्व और सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं, वह स्वतंत्रता हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई है। इसके पीछे लाखों देशवासियों का संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान जुड़ा हुआ है। देश के असंख्य वीर सपूतों ने मातृभूमि को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में देश के हर क्षेत्र और समाज के लोगों ने अपना योगदान दिया। किसी ने अपना जीवन समर्पित किया, किसी ने अपना घर-परिवार छोड़ा और अनेक वीरों ने मातृभूमि के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। इन बलिदानों के कारण ही हम स्वतंत्रता और लोकतंत्र के गौरव का अनुभव कर पा रहे हैं।

पीएम मोदी से मिले राकांपा (शरद) के आठ सांसद, महाराष्ट्र तथा अन्य मुद्दों पर की बात

नयी दिल्ली। संसद में बने गतिरोध और कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की सरकार की मंशा के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) के लोकसभा में सभी आठ सांसदों ने पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। राकांपा के नेताओं ने संसद भवन परिसर स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में मोदी से लगभग आधे घंटे तक मुलाकात की। सरकार परिसीमन संशोधन विधेयक और विदेशी अंशदान विनियमन विधेयक को पारित कराना चाहती है। सुले पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं कि पार्टी परिसीमन विधेयक पर कोई भी निर्णय उसके अंतिम स्वरूप के सामने आने पर ही लेगी और इस संबंध में इंडिया गठबंधन के साथ भी चर्चा की जायेगी। विदेशी अंशदान विनियमन विधेयक पर उनका कहना है कि मौजूदा स्वरूप में यह पार्टी को स्वीकार नहीं है और इसे संसदीय समिति में भेजा जाना चाहिए।

कलेक्टर ने की अपनी तनख्वाह से प्रति महीने जरूरतमंदों के लिए 10000 रूपये देने की घोषणा

सक्ती। किसी भी समाज के उत्थान में समाज के प्रमुख जनों एवं सक्षम लोगों का अहम योगदान होता है। कुछ इसी तरह से विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर शक्ति जिले के कलेक्टर अमृत विकास तोपनों ने भी कर दिखाया है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कलेक्टर ने समाज के जरूरतमंद लोगों को समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से सहायता के लिए एक समिति के गठन किए जाने का भी प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही कलेक्टर ने अपनी तनख्वाह से 10000 रुपए प्रतिमाह समाज के जरूरतमंदों को देने के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाज के पदाधिकारी इस संबंध में एक उचित फोरम बनाकर समाज के जरूरतमंद लोगों को सहायता पहुंचाने की दिशा में पहल करें एवं कार्य योजना बनाएं इस मौके पर उपस्थित शक्ति जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर ने भी कलेक्टर द्वारा की गई इस घोषणा का खुले मन से स्वागत किया तथा मौके पर उपस्थित समाज के अन्य लोगों ने भी इस पहल पर करतल ध्वनि के माध्यम से स्वागत करते हुए साधुवाद दिया।

छात्रों पर कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरते हुए राहुल का लेख, खरगे-प्रियंका ने किया समर्थन

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार पर हमला करते हुए एक अंग्रेजी दैनिक में लेख लिखकर कहा है कि युवाओं की आवाज दबाने के लिए उन पर कार्रवाई की गई है जिस पर सरकार का जवाब जरुरी है।

गांधी के इस लेख का समर्थन करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहां है कि छात्रों पर कार्यवाही के लिए गृहमंत्री अमित शाह जिम्मेदार है। अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' में प्रकाशित अपने लेख में गांधी ने छात्रों पर बल प्रयोग का उल्लेख करते हुए कहा है कि अपने भविष्य को लेकर सवाल पूछ रहे छात्रों पर पैलेट गन, कीलों वाली लाठियों और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वास्तविकता से पूरी तरह कटे हुए हैं और छात्रों का यह आंदोलन उनके लिए चेतावनी है कि देश के युवा जाग चुके हैं। गांधी ने कहा कि युवाओं के बीच प्रधानमंत्री की छवि नष्ट हो चुकी है और उसे दोबारा बनाया नहीं जा सकता। देश के युवा मोदी, शाह या किसी अधिकारी को उनके कार्यों के परिणामों से बचने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष युवाओं के साथ खड़ा है और इन कथित अपराधों को बिना सजा के नहीं जाने देगा। खरगे ने गांधी के लेख का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने लेख के माध्यम से युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि युवाओं के साथ हुई ज्यादती का जवाब सरकार को देना होगा। वाड्रा ने भी गांधी के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि संसद से महज 500 मीटर की दूरी पर छात्रों पर बर्बर कार्रवाई की गई और इसकी जिम्मेदारी शाह की है। उन्होंने राहुल गांधी के हवाले से कहा कि इस मामले में दो ही संभावनाएं हैं - या तो गृह मंत्री ने छात्रों पर कार्रवाई की अनुमति दी, ऐसी स्थिति में वह जिम्मेदार हैं।

छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय, कई जिलों में बारिश के आसार, उत्तर छत्तीसगढ़ में अलर्ट

मुंगेली के लोरमी ब्लॉक में भारी बारिश के कारण पसरहा पारा टापू में बदल गया। यहां करीब 200 ग्रामीण 24 घंटे तक फंसे रहे। एडीआरएफ ने नावों की मदद से 10 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सभी ग्रामीणों को सुरक्षित राहत शिविर पहुंचाया।

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय बना हुआ है। सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, जबकि उत्तर छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में अब तक 650.9 मिमी (25.6 इंच) बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 5 प्रतिशत कम है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार राज्य में बारिश की स्थिति सामान्य श्रेणी में है। प्रदेश के कई हिस्सों में रविवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि मुंगेली और रायपुर जिले में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई।

मुंगेली जिले में राजीव गांधी जलाशय (खुड़िया बांध) भी लबालब भर गया है। इसके वेस्ट वेयर से 6 फीट पानी बह रहा है, जिससे मनियारी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है।

वर्ष 2020 के बाद पहली बार इतनी मात्रा में पानी छोड़ा गया है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है।

बारिश के कारण बिलासपुर-रतनपुर-पेंड्रा रोड-गौरेला को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे-45 पर भी यातायात प्रभावित हुआ। कीचड़ और गड्ढों के कारण भारी वाहन फंसने से मार्ग पर लंबा जाम लग गया।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में शनिवार शाम भारी बारिश के बीच गौरेला शहर के वार्ड नंबर 8 में एक जर्जर मकान ढह गया। मकान की दीवारों में पहले ही दरारें आ गई थीं। समय रहते घर खाली करा लिए जाने के कारण बड़ा हादसा टल गया।

महासमुंद जिले में लगातार बारिश से कोडार डैम 100 प्रतिशत भर गया है। जल संसाधन विभाग की 9 अगस्त की रिपोर्ट के अनुसार जलस्तर 295.62 मीटर पहुंच गया है।

हरियाणा न्यायिक सेवा नियमों में बड़ा बदलाव, न्यायिक सेवा में प्रवेश के लिए तीन वर्ष की वकालत अनिवार्य

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य की न्यायिक सेवा से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। नए नियमों के तहत न्यायिक सेवा में आवेदन करने वाले अभ्यर्थी के लिए आवेदन की अंतिम तिथि तक कम से कम तीन वर्ष तक अधिवक्ता के रूप में वकालत करना अनिवार्य होगा। तीन वर्ष की अवधि संबंधित राज्य बार काउंसिल में अस्थायी नामांकन/पंजीकरण की तिथि से गिनी जाएगी।

हरियाणा के कार्मिक विभाग ने पंजाब सिविल सेवा (न्यायिक शाखा) हरियाणा संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी हो गए हैं। नियम संविधान के अनुच्छेद 234 तथा अनुच्छेद 309 के परंतुक के तहत बनाए गए हैं और इनके लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से परामर्श किया गया है। संशोधित नियमों के अनुसार अभ्यर्थी को अपने वकालत के अनुभव का निर्धारित प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। अधीनस्थ न्यायालयों में वकालत करने वाले अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र को संबंधित प्रधान न्यायिक अधिकारी या निर्धारित शर्तों के अनुसार कम से कम 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले अधिवक्ता द्वारा प्रमाणित किया जा सकेगा। उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय में वकालत करने वाले अभ्यर्थियों के लिए भी नियमों में प्रमाणपत्र जारी करने और उसके अनुमोदन की प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

संशोधन में एक महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि किसी न्यायाधीश या न्यायिक अधिकारी के साथ लॉ क्लर्क या लॉ रिसर्चर के रूप में अर्जित अनुभव को भी अभ्यर्थी के कुल वकालत अनुभव की गणना में शामिल किया जाएगा।

संशोधित नियमों के तहत न्यायिक सेवा में दो श्रेणियां होंगी—सिविल जज (जूनियर डिवीजन) और सिविल जज (सीनियर डिवीजन)।

कोई गलती नहीं फिर क्यों भंग किया मंडल? डोंगरगढ़ के भाजपा पदाधिकारियों ने रमन सिंह से किया सवाल

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ मंडल को भंग किए जाने से नाराज सैकड़ों कार्यकर्ता और मंडल पदाधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह से मुलाकात की है। उन्होंने सवाल किया कि जब डोंगरगढ़ मंडल की कोई गलती नहीं थी फिर मंडल को भंग क्यों किया गया?

मिली जानकारी के अनुसार, डोंगरगढ़ मंडल के अध्यक्ष जसमीत बन्नोआना सहित नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे के साथ उपाध्यक्ष और बड़ी संख्या में पार्षद, मंडल के पदाधिकारी सभी मोर्चा के पदाधिकारी रविवार शाम को 5:00 बजे स्पीकर हाउस पहुंचकर डॉ रमन सिंह से मुलाकात की है। मंडल के पदाधिकारियों का चर्चा के दौरान यह कहना था कि डोंगरगढ़ में अंदरूनी विवाद के बाद पांच लोगों को निष्कासित किया गया लेकिन मंडल की किसी भी प्रकार की गलती के बिना विश्वास में लिए बगैर डोंगरगढ़ मंडल को भंग क्यों कर दिया गया सैकड़ो की संख्या में पहुंचे पदाधिकारी की यह मांग थी कि डोंगरगढ़ मंडल को फिर से बहाल किया जाए। बताया जाता है कि विधानसभा अध्यक्ष ने डोंगरगढ़ से पहुंचे लोगों को सुना है,और फिर उन्हें आश्वासन दिया है कि उनके साथ अन्याय नहीं होगा।

परमाणु समझौते के भी डील करने को तैयार

ट्रंप बिना न्यूक्लियर डील के ईरान के साथ टकराव खत्म करने को तैयार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निजी तौर पर ईरान के साथ टकराव को बिना परमाणु समझौते के खत्म करने का विचार रखा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

अखबार के मुताबिक ट्रंप कई हफ़्तों से ईरान के साथ युद्ध में जीत का ऐलान करने की तैयारी कर रहे हैं (अगर तेहरान होर्मुज़ जलडमरूमध्य) को पूरी तरह से फिर से खोल देता है। उन्होंने अपने वरिष्ठ सलाहकारों से निजी तौर पर यह भी कहा है कि वे बिना परमाणु समझौते (न्यूक्लियर डील) के भी डील करने को तैयार हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने अखबार को बताया कि अमेरिका ने ईरान से जुड़े अपने सभी सैन्य लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। अधिकारी ने अखबार को बताया कि ट्रंप अब होर्मुज़ जलडमरूमध्य से ऊर्जा की आवाजाही सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रहे हैं, और अगर ईरान जहाजों पर हमले जारी रखता है तो वे सैन्य बल का इस्तेमाल करने का विकल्प भी खुला रखेंगे। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ने अपने वरिष्ठ सलाहकारों से निजी तौर पर कहा था कि उनके कार्यकाल के दौरान तेहरान के अपनी परमाणु गतिविधियां फिर से शुरू करने की संभावना कम है, क्योंकि अमेरिका ने 2025 तक तीन बड़े परमाणु केंद्रों को नष्ट कर दिया था। हाल की बैठकों में, ट्रंप ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि उन्हें भरोसा है कि ईरान पर अमेरिकी हमले का डर एक मज़बूत रोक का काम करेगा। अधिकारियों ने संकेत दिया कि अगर अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नियंत्रित करने में सफल रहता है, तो ट्रंप मौजूदा युद्धविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा सकते हैं।

नेतन्याहू ने ट्रंप के गाजा संघर्ष को समाप्त करने वाले 15-सूत्रीय योजना को खारिज किया

यरूशलम। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाज़ा संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित 15-सूत्रीय योजना को खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक हमास पूरी तरह से हथियार डालना स्वीकार नहीं कर लेता, तब तक इज़रायली सेना पीछे नहीं हटेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनके प्रधानमंत्री रहते हुए कभी भी फ़िलिस्तीन राज्य की स्थापना नहीं होगी। नेतन्याहू ने अमेरिकी प्रस्ताव पर अपने पहले प्रत्यक्ष बयान में कहा कि इज़रायल इस 15-सूत्री दस्तावेज़ को अस्वीकार करता है। उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी सरकार अमेरिकी पहल के मुख्य बिंदुओं को स्वीकार नहीं करेगी। दूसरी ओर, हमास ने अमेरिका और मध्यस्थ देशों से अपील की है कि वे नेतन्याहू पर इस योजना का पालन करने का दबाव बनाएं। हमास के राजनीतिक ब्यूरो सदस्य बासेम नईम ने कहा कि मध्यस्थों और अमेरिका को नेतन्याहू और उनकी सरकार पर दबाव डालना चाहिए ताकि वे आंतरिक राजनीतिक और चुनावी कारणों से इस प्रक्रिया में बाधा न डालें।

ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में 3.09 करोड़ रुपये का विदेशी सोना जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

नागपुर/रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की अपराध शाखा नागपुर और गोंदिया की संयुक्त टीम ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) नागपुर के साथ कार्रवाई करते हुए गाड़ी संख्या 12102 ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से करीब 2.166 किलोग्राम विदेशी सोने के बिस्किट बरामद किए हैं।

जब्त सोने की अनुमानित कीमत 3 करोड़ 9 लाख 40 हजार 881 रुपये बताई गई है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ क्राइम ब्रांच नागपुर से आज मिली जानकारी के अनुसार निरीक्षक अजय शर्मा को सूचना मिली थी कि ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में एक व्यक्ति विदेशी सोना लेकर यात्रा कर रहा है। इसके बाद निरीक्षक अजय शर्मा ने गोंदिया क्राइम ब्रांच के निरीक्षक समीर खलखो, सहायक उपनिरीक्षक नासिर खान तथा आरक्षक विकास पटले को डीआरआई नागपुर की टीम के साथ संयुक्त जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। संयुक्त टीम ने गोंदिया से नागपुर के बीच ट्रेन में सघन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान ट्रेन के पिछले जनरल कोच में एक संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली गई। उसके कब्जे से करीब 2.166 किलोग्राम विदेशी सोने के बिस्किट बरामद हुए। कार्रवाई कलमना और नागपुर स्टेशन के बीच की गई। आरपीएफ टीम ने गिरफ्तार आरोपी को जब्त सोने सहित आगे की कार्रवाई के लिए डीआरआई नागपुर के हवाले कर दिया।

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई, जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड से हटाया गया अवैध कब्जा

शिकायत के निराकरण से आवेदक संतुष्ट, आम नागरिकों एवं कृषकों के लिए मार्ग हुआ सुगम और सुरक्षित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन टोकन क्रमांक छ्ष्ट्र260600009140 के माध्यम से आवेदक श्री हरिराम साहू द्वारा शासकीय भूमि जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड पर किए गए अवैध कब्जे के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई प्रारंभ की गई।

शिकायत के निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया

गया। टीम ने शिकायत में उल्लेखित तथ्यों का परीक्षण एवं सत्यापन करते हुए संबंधित स्थल की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान आवेदक, ग्राम के कृषकों एवं संबंधित कब्जाधारी की उपस्थिति में विभागीय कर्मचारियों द्वारा नियमानुसार सीमांकन की कार्रवाई की गई।

विभागीय एवं तहसील अमले ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई-मामले की गंभीरता एवं शासकीय भूमि से संबंधित होने के कारण विभाग द्वारा तहसील प्रशासन से समन्वय स्थापित कर आगे की कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की गई। निर्धारित तिथि पर विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं तहसील विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को सफलतापूर्वक हटाया गया। कार्रवाई के दौरान प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कर उसका मूल स्वरूप पुनः स्थापित किया जाए। अवैध कब्जा हटाए जाने के बाद जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड पूर्णतः अवरोधमुक्त हो गई। इससे क्षेत्र के आम नागरिकों एवं कृषकों का आवागमन पुनः सुचारू, सुगम एवं सुरक्षित रूप से प्रारंभ हो सका।

सीएम हेल्पलाइन से मिली शिकायत का समयबद्ध निराकरण-प्रशासन द्वारा शिकायत पर की गई त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से आवेदक श्री हरिराम साहू ने संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज शिकायत का विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।यह प्रकरण दर्शाता है कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री हेल्पलाइन व्यवस्था आम नागरिकों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समयबद्ध समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों द्वारा मैदानी स्तर पर कार्रवाई करते हुए आम नागरिकों को राहत पहुंचाई जा रही है।मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक बिना किसी कार्यालय के अनावश्यक चक्कर लगाए अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को शासन के संज्ञान में ला सकते हैं। प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा परीक्षण, सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

इससे प्रशासन में जवाबदेही, पारदर्शिता एवं जनविश्वास को मजबूती मिल रही है। जगन्नाथपुर जलाशय नहर की सर्विस रोड से अवैध कब्जा हटाने की यह कार्रवाई जनहित में प्रशासन की संवेदनशीलता, तत्परता तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय का उदाहरण है। इससे न केवल आवेदक की शिकायत का समाधान हुआ, बल्कि क्षेत्र के अन्य नागरिकों एवं कृषकों को भी आवागमन की सुविधा प्राप्त हुई है।

राष्ट्रीय एकता जागरूकता का संदेश लेकर स्कूली बच्चों ने निकाली साइक्लोथॉन

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में लगभग 200 विद्यार्थियों ने लिया उत्साहपूर्वक हिस्सा*

बलरामपुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी की उपस्थिति में सोमवार को जिला पुलिस द्वारा साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा। साइक्लोथॉन का आयोजन पुलिस लाइन परेड ग्राउंड बलरामपुर से हाई स्कूल खेल मैदान बलरामपुर तक किया गया। कार्यक्रम में कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालक हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम बलरामपुर तथा सरस्वती शिशु मंदिर बलरामपुर के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी द्वारा हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन को रवाना कर किया गया। पुलिस लाइन परेड ग्राउंड से प्रारंभ हुई साइक्लोथॉन निर्धारित मार्ग से होते हुए हाई स्कूल खेल मैदान पहुंचकर संपन्न हुई। साइक्लोथॉन में शामिल विद्यार्थियों ने एकजुट होकर हर्षोल्लास के साथ साइकिलिंग करते हुए राष्ट्रीय एकता, भाईचारे एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमजन तक पहुंचाया। विद्यार्थियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने तथा समाज में एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान एएसपी विश्व दीपक त्रिपाठी, रक्षित निरीक्षक एवं यातायात प्रभारी विमलेश कुमार देवांगन, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के प्राचार्य, स्वामी आत्मानंद बालक हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलरामपुर के प्राचार्य, सरस्वती शिशु मंदिर बलरामपुर के प्राचार्य सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यालयीन शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर 200 विद्यार्थियों ने निकाली साइक्लोथॉन

बलरामपुर/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता, भाईचारे, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने जिला पुलिस द्वारा सोमवार को साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर-रामानुजगंज श्री वैभव बैंकर के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विश्व दीपक त्रिपाठी उपस्थित रहे।साइक्लोथॉन को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विश्व दीपक त्रिपाठी ने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइक्लोथॉन पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर निर्धारित मार्ग से होते हुए

हाई स्कूल खेल मैदान पहुंचकर संपन्न हुई।इस आयोजन में कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालक हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम तथा सरस्वती शिशु मंदिर बलरामपुर के करीब 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने साइकिलिंग के माध्यम से आमजन को राष्ट्रीय एकता और भाईचारे के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक एवं यातायात प्रभारी श्री विमलेश कुमार देवांगन सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से साइक्लोथॉन सफल एवं प्रभावी रहा।

कैंसर से जंग लड़ रहा परिवार, इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से आस, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा/कुसमी/मूक पत्रिका

कलेक्ट्रेट जनदर्शन में उस समय आँखे नम हो गई जब कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे नगर पंचायत कुसमी निवासी धनिराम साहू पिता लेखराम साहू का आवेदन उसके बहु के द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में इलाज जारी रखने के साथ आर्थिक संकट भी खड़ा होने की बात कही। लगातार महंगे उपचार के चलते परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है। ऐसे में मरीज ने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग को लेकर कलेक्टर बेमेतरा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है।

बीमारी गंभीर, इलाज का खर्च उठाना मुश्किल-आवेदन में धनिराम साहू ने बताया है कि वह पिछले कुछ वर्षों से कैंसर से पीड़ित हैं और लगातार उपचार करा रहे हैं। बीमारी के चलते नियमित इलाज और जांच की आवश्यकता है, लेकिन उपचार में होने वाला खर्च परिवार की आर्थिक क्षमता से बाहर होता जा रहा है। आर्थिक तंगी के कारण उपचार को आगे जारी रखना चुनौती बन गया है।

जनदर्शन में भी लगाई थी मदद की गुहार-आवेदक के मुताबिक, स्वास्थ्य उपचार के लिए आर्थिक सहायता की मांग को लेकर पूर्व में जनदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम भी आवेदन प्रस्तुत किया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक अपेक्षित आर्थिक सहायता नहीं मिलने की बात आवेदन में कही गई है। अब एक बार फिर जिला प्रशासन से मदद की उम्मीद जताई गई है।

सहायता मिले तो जारी रह सकेगा उपचार-धनिराम साहू ने प्रशासन से अपनी आर्थिक और चिकित्सकीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत शीघ्र आर्थिक सहायता स्वीकृत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि आर्थिक सहयोग मिलने से कैंसर का उपचार बिना आर्थिक बाधा के जारी रखा जा सकेगा।आवेदन के साथ जनदर्शन/सुशासन तिहार की पावती, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, मेडिकल रिपोर्ट एवं राशन कार्ड सहित आवश्यक दस्तावेज संलग्न किए जाने का उल्लेख है।

अब प्रशासन की संवेदनशील पहल का इंतजार-कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे धनिराम साहू ने शासन-प्रशासन से मदद की उम्मीद लगाई है। अब नजर इस बात पर है कि जिला प्रशासन इस मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और जरूरतमंद मरीज को मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ कब तक मिल पाता है।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रेमलता पद्माकर ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, 29 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीते सोमवार को कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर द्वारा कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ

सुना। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाकर एवं दूरभाष के माध्यम से चर्चा कर कई प्रकरणों का तत्काल निराकरण कराया। प्रशासन की तत्परता के चलते कई नागरिकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे आवेदकों में संतोष एवं विश्वास का माहौल देखने को मिला।आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 29 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों में शीघ्र कार्रवाई करते हुए समाधान किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चालित ट्रायसायकल प्रदाय, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। सीईओ ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का जिला स्तरीय शुभारंभ, प्रचार रथ को दिखाई हरी झंडी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर जिला बेमेतरा में कार्यक्रम का जिला स्तरीय शुभारंभ किया गया। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ के माध्यम से जिले के समस्त विकासखण्डों में भ्रमण कर ऑडियो संदेश के माध्यम से जनसामान्य को कृमि संक्रमण से बचाव एवं कृमिनाशक दवा के सेवन के संबंध में जागरूक किया जाएगा।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति

दिवस का आयोजन प्रत्येक वर्ष दो बार, छह माह के अंतराल में किया जाता है। इस अभियान के तहत 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा एल्बेन्डाजॉल की खुराक दी जाती है। अभियान के अंतर्गत शासकीय एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी शिक्षण संस्थानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, मदरसों में अध्ययनरत बच्चों एवं किशोर-किशोरियों के साथ-साथ शाला त्यागी बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को भी दवा का सेवन कराया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत जिले में कुल 3 लाख 89 हजार बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित आयु के अनुसार बच्चों को एल्बेन्डाजॉल की खुराक दी जाएगी। 1 से 2 वर्ष आयु के बच्चों को आधी गोली चूरा करके, 2 से 3 वर्ष आयु के बच्चों को एक पूरी गोली चूरा करके तथा 3 से 19 वर्ष आयु के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को एक पूरी गोली चबाकर खिलाई जाएगी।अभियान के दौरान जो बच्चे किसी कारणवश 10 अगस्त को दवा का सेवन करने से छूट जाएंगे, उन्हें मॉप-अप दिवस के दौरान कृमिनाशक दवा का सेवन कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को निर्धारित दिवस पर कृमिनाशक दवा का सेवन अवश्य कराएं तथा कृमि संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आदतों को अपनाने के प्रति जागरूक रहें।

विश्व आदिवासी दिवस पर जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए विधिक जागरूकता शिविर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा संचालित स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2026-27 के अनुसार विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों पर विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सरोज नन्द दास के मार्गदर्शन में तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव की उपस्थिति में किया गया।प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालिका छात्रावास, बेमेतरा में आयोजित शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारतीय

संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों, अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक अधिकार, शिक्षा एवं समानता का अधिकार, बाल अधिकार, बाल विवाह प्रतिषेध, बाल संरक्षण संबंधी कानून तथा निःशुल्क विधिक सहायता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। शिविर में विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार के शोषण, भेदभाव, बाल विवाह, बाल श्रम अथवा अन्य कानूनी समस्या की स्थिति में उचित विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान नालसा की विभिन्न योजनाओं, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, पॉक्सो एक्ट 2012, हिट एंड रन स्कीम 2022, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्रों एवं लीगल एड डिफेंस कौंसिल द्वारा जिले के विभिन्न छात्रावासों एवं शैक्षणिक संस्थानों में भी विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। इनमें कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा, शासकीय प्री-मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास कोबिया बेमेतरा, शासकीय प्री-मैट्रिक अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास बेमेतरा, शासकीय प्री-मैट्रिक अनुसूचित जाति बालक छात्रावास साजा, पोस्ट-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास बेमेतरा तथा शासकीय प्री-मैट्रिक अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास बेरला में छात्र-छात्राओं को कानून एवं उनके अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इन शिविरों में छात्र-छात्राओं के साथ छात्रावासों के अधीक्षक/अधीक्षिका, शिक्षकगण, लीगल एड डिफेंस कौंसिल के अधिवक्तागण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के अधिकार मित्र उपस्थित रहे। इसके साथ ही जिला जेल बेमेतरा में भी विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में निरुद्ध बंदियों को आदिवासी समुदाय के अधिकारों, उनके संवैधानिक संरक्षण एवं विधिक अधिकारों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, न्याय तक पहुंच तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उपलब्ध विधिक सहायता सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

उच्च शिक्षण संस्थानों के ईएलसी नोडल अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने और मतदाता जागरूकता बढ़ाने पर दिया गया जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वीप कार्ययोजना के तहत मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने तथा युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं मतदान से जोड़ने के उद्देश्य से जिले के उच्च शैक्षणिक संस्थानों में गठित मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के नोडल अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला कार्यालय बेमेतरा के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।प्रशिक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रीतम सिंह चौहान ने स्वीप कार्ययोजना के अंतर्गत जिले के सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों में मतदाता साक्षरता क्लब को सक्रिय रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अगस्त माह के दौरान महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर उसका पालन प्रतिवेदन 05 सितम्बर 2026 तक जिला निर्वाचन कार्यालय, बेमेतरा को भेजने कहा। साथ ही महाविद्यालयों में नियुक्त कैम्पस एम्बेसडर एवं उनके द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता गतिविधियों की जानकारी निर्धारित गूगल लिंक में दर्ज करने तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी गतिविधियों को साझा करने के निर्देश दिए।जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर सुनील कुमार झा ने प्रशिक्षणार्थियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआई नेट मोबाइल एप की उपयोगिता एवं विभिन्न निर्वाचन सेवाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आयोग द्वारा निर्धारित चार अर्हता तिथियों 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर की जानकारी देते हुए मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम विलोपित कराने, विवरण में संशोधन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया समझाई।

इस दौरान फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 के माध्यम से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन की प्रक्रिया के साथ-साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक), विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (स्स्क्र) तथा मतदाता सूची तैयार करने एवं अद्यतन करने की बुनियादी जानकारी भी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका, ईवीएम एवं वीवीपैट के माध्यम से मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया, नैतिक एवं सूचित मतदान, मतदाता साक्षरता, भारतीय संविधान तथा देश की चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को युवाओं एवं नए मतदाताओं के बीच निर्वाचन संबंधी जागरूकता बढ़ाने तथा उन्हें मतदान के अधिकार के प्रति सजग करने के लिए प्रभावी गतिविधियां संचालित करने हेतु प्रेरित किया गया। सहायक प्रोग्रामर बॉबी राजपूत ने नए मतदाताओं द्वारा ऑनलाइन फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया के संबंध में व्यावहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन पर्यवेक्षक संतोष कुमार नामदेव सहित जिले के विभिन्न महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं आईटीआई के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने फाइनेंस लैब में सीखी डिजिटल लेनदेन एवं वित्तीय प्रबंधन की बारीकियां

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे । विकासखंड बलौदाबाजार के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल में जिला प्रशासन द्वारा संचालित जिला फाइनेंस लैब का भ्रमण किया। इस दौरान लैब के अनुदेशको ने डिजिटल लेनदेन, साइबर फ्रॉड, वित्तीय जोखिम,सुरक्षित निवेश आदि की सहज़ ढंग ह्रद्द जानकारी प्रदान की।आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ ने जिला फाइनेंस लैब में उपलब्ध सुविधा और वित्तीय साक्षरता के लिये दी जा रही प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि लैब में विभिन्न खेलों के.माध्यम से लेनदेन के तरीके को और व्यापारिक गतिविधियों को आसानी से समझा जा सकता है।जिले में अर्थशाला के माध्यम से प्रत्येक दिन अलग-अलग वर्गों के लिए विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को कक्षा 11वीं एवं 12वीं के स्कूली विद्यार्थियों, मंगलवार को महिला स्व-सहायता समूहों, बुधवार को किसानों तथा गुरुवार को महाविद्यालयीन विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन, निवेश, साइबर सुरक्षा और डिजिटल वित्तीय साक्षरता से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। जिला प्रशासन का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाना, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना तथा निवेश और वित्तीय निर्णयों के प्रति सही जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मविश्वासी बन सकें।

मोहभट्ठा वार्ड-06 से 40 कांवर यात्रियों ने भोरमदेव मंदिर पहुंचकर किया जलाभिषेक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर के मोहभट्ठा वार्ड क्रमांक 06 से शनिवार शाम 5 बजे करीब 40 कांवर यात्रियों का जत्था भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए भोरमदेव मंदिर के लिए रवाना हुआ। कांवर यात्रियों ने पूरे रास्ते भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए भक्तिमय वातावरण बनाया।

कांवर यात्रियों का जत्था सोमवार सुबह भोरमदेव मंदिर पहुंचा, जहां सावन के दूसरे सोमवार के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का विधिवत जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली।जलाभिषेक के बाद कांवर यात्रियों का जत्था मां बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ एवं मां करेला भवानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक जयकारों के साथ सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

रविदास समाज के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री साय ने पांच ऐतिहासिक फैसले लिए

समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया अभार

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

ताराचंद कठोत्रे । छत्तीसगढ़ में संत परंपरा के सम्मान और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने की दिशा में पहल करते हुए विगत दिवस राज्य सरकार के द्वारा लिए गए निर्णयों का समाज के विभिन्न वर्गों में व्यापक स्वागत हो रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर संत शिरोमणि गुरू रविदास की जयंती पर ली गई 5 बड़ी एवं ऐतिहासिक घोषणाओं के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। जिसमें संत रविदास जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा एवं इस दिन मांस-मदिरा की दुकाने बंद रखने का निर्णय, गुरू रविदास अलंकार पुरस्कार की स्थापना, नवा रायपुर में संत रविदास चौक का नामकरण करना, छत्तीसगढ़ विधानसभा में संत रविदास का संदेश का वाचन करना। इस मौके पर अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा ने कहा कि संत रविदास की जयंती के अवसर पर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा और इस दिन पूरे प्रदेश में मांस एवं मदिरा की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध का फैसला ऐतिहासिक है, उन्होंने कहा कि विधानसभा से लेकर नवा रायपुर तक संत रविदास की छाप रहेगी। वही, संत रविदास के नाम पर राज्य अलंकरण सम्मान प्रारंभ करने की घोषणा, प्रमुख चौक का नामकरण नवा रायपुर स्थित संत रविदास के नाम पर किया जाना यह निर्णय तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा में रविदास के सामाजिक समरसता से जुड़े अमर संदेशों को अंकित करना यह सभी निर्णय ऐतिहासिक है। मिर्धा ने कहा कि राज्य सरकार का यह कदम समाज के अंतिम व्यक्ति के सर्वांगीण विकास और सांस्कृतिक स्वाभिमान की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। सुशासन की इस व्यवस्था में संतो के सम्मान से समूचा रविदास समाज अभिभूत है। वही, प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि राज्य सरकार की यह पहल प्रदेश में सामाजिक सद्भाव को एक नई उंचाई प्रदान करेगी। रविदास समाज के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री साय के द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसले को राधेश्याम उर्फ कुल्लू रात्रे प्रदेश अध्यक्ष रविदास समाज छ.ग., फागूलाल रात्रे, रविदास रात्रे, रोशन मिरी, भकाडू रात्रे, सरोज रात्रे, मनोज रात्रे, आशाराम रात्रे सहित अन्य समाज के लोगों ने भी आभार प्रकट किए।

नक्शा प्रोजेक्ट के तहत नगरीय क्षेत्र में हो रहे सर्वे कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश, निर्माण कार्यों में प्रगति की समीक्षा कर, शेष कार्य समय सीमा में पूरा करने दिए निर्देश

आमजनों की सुविधा हेतु सड़कों के मरम्मत कार्य में तेजी लाएं- कलेक्टर

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर राम सिंह ठाकुर, सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने नक्शा प्रोजेक्ट में प्रगति की समीक्षा के दौरान नगरीय क्षेत्र में हो रहे सर्वे कार्य को समय सीमा में पूरा करने अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से सभी निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूरा करने, टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में निर्माण कार्यों की समीक्षा कर जल्द पूरा करने तथा कॉन्ट्रेक्टर से टाइम लाइन तैयार कर जानकारी उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी को आंगनबाड़ी के बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र तैयार करने बच्चों की सूची तैयार कर एसडीएम को उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाणपत्र निर्माण में तेजी लाने सभी एसडीएम को निर्देशित किया।उन्होंने अम्बिकापुर नगरीय क्षेत्र में ऐसी सड़कों जिनके मरम्मत की जरूरत है, उनका तत्काल मरम्मत करवाने एनएच अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) एवं अन्य मदों के अंतर्गत स्वीकृत, पूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विभागवार समीक्षा की। इस दौरान मुआवजा प्रकरणों की जानकारी, भर्ती प्रक्रिया में प्रगति, पीएम किसान के हितग्राहियों का एग्रिस्टेक में पंजीयन में प्रगति, पूर्व बैठकों एवं निरीक्षणों में दिए निर्देशों पर प्रगति सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जनदर्शन, जन चैपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर समीक्षा की गई।

पीएडीएस दुकानों से बारदानों को जमा करवाने डीएमओ को दिए निर्देश-

कलेक्टर ने बैठक में पीएडीएस दुकानों पर उपलब्ध बारदानों को नियमानुसार जमा करवाने डीएमओ को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि पीएडीएस दुकानों पर उपलब्ध बारदानों का व्यवस्थित संकलन कर उनका उचित संधारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 15 दिनों के भीतर 50 प्रतिशत बारदानों को जमा करवाने के निर्देश दिए।

जनपद पंचायतवार निर्माण कार्यों की हुई समीक्षा-

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले के जनपद पंचायतवार विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वीकृत एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायतों में नए स्वीकृत विद्यालयों के निर्माण कार्य को नवम्बर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

15 अगस्त की तैयारियों का कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम होंगे शामिल

अम्बिकापुर। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों का कलेक्टर अजीत वसंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि मंत्री रामविचार नेताम शामिल होंगे। समारोह को गरिमामय एवं व्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, मार्च पास्ट की तैयारी, बैठक व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, सुरक्षा एवं यातायात सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित समय से पहले दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था एवं आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने तथा समारोह के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रितेश चौधरी, नगर निगम कमिश्नर डी एन कश्यप, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

माइनिंग-ट्रांसपोर्ट के साथ सड़क सुधार पर जोर, बरसात में कीचड़ और ग ों की समस्या दूर करने कराया जा रहा मुरमीकरण

सेरंगदाग में बालाजी मार्बल एंड टाइल्स की पहल से ग्रामीणों को राहत

सेरंगदाग/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । ग्राम पंचायत सेरंगदाग क्षेत्र में बालाजी मार्बल एंड टाइल्स कंपनी द्वारा माइनिंग एवं ट्रांसपोर्ट का कार्य संचालित किया जा रहा है। कंपनी के कार्यों के बीच ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी पहल सामने आई है। बरसात के मौसम में गांव की सड़कों पर कीचड़ और जगह-जगह गड्ढे हो जाने से ग्रामीणों, राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसी समस्या को देखते हुए कंपनी की ओर से सड़क पर मुरमीकरण का कार्य कराया जा रहा है।

बारिश में सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों और राहगीरों को-बरसात शुरू होते ही ग्रामीण क्षेत्रों की कच्ची और खराब सड़कों की स्थिति और भी बदतर हो जाती है। सेरंगदाग में भी बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ जमा होने तथा गड्ढे बन जाने के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी होती थी। कई बार स्थिति ऐसी बन जाती है कि स्कूली बच्चों को स्कूल पहुंचने और वापस घर लौटने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क की खराब स्थिति का असर दैनिक आवागमन के साथ-साथ जरूरी कामों पर भी पड़ता है। ऐसे में सड़क पर मुरम डालकर उसे आवागमन योग्य बनाने की पहल ग्रामीणों के लिए राहत देने वाली साबित हो रही है।

कंपनी के सहयोग से सड़क की स्थिति सुधारने का प्रयास-बालाजी मार्बल एंड टाइल्स कंपनी द्वारा माइनिंग एवं ट्रांसपोर्ट का कार्य किए जाने के साथ ही क्षेत्र में सड़क की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए मुरमीकरण कराया जा रहा है। इससे बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ की समस्या कम होने और ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने की उम्मीद है।कंपनी की ओर से किए जा रहे इस कार्य को ग्रामीण क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क का नियमित रखरखाव और आवश्यकतानुसार मुरमीकरण होता रहे तो बरसात के मौसम में आवागमन की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।

ग्रामीणों को सीधे मिलेगा फायदा-सेरंगदाग पंचायत क्षेत्र में सड़क ग्रामीणों के लिए आवागमन का प्रमुख साधन है। इसी रास्ते से ग्रामीण अपने दैनिक कार्यों के लिए आवाजाही करते हैं और बच्चे स्कूल जाते हैं। सड़क की स्थिति सुधरने से विद्यार्थियों, किसानों, मजदूरों और अन्य ग्रामीणों को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि कंपनी द्वारा शुरू किए गए सड़क सुधार के कार्य को आगे भी जारी रखा जाएगा और जरूरत वाले अन्य हिस्सों में भी मुरमीकरण कराया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान किसी भी ग्रामीण को आवागमन की परेशानी न हो।

मूलभूत सुविधाओं के विकास पर भी रहे ध्यान-माइनिंग एवं ट्रांसपोर्ट गतिविधियों के बीच स्थानीय स्तर पर सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ सड़क, नाली, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर भी लगातार ध्यान दिया जाना चाहिए, जिससे गांव में रहने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। फिलहाल सेरंगदाग में सड़क के मुरमीकरण का कार्य ग्रामीणों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आया है। बरसात के मौसम में कीचड़ और गड्ढों से होने वाली परेशानी कम होने से स्कूली बच्चों सहित आम राहगीरों का आवागमन आसान होने की संभावना है।

संपादकीय

इलाज नहीं, अंधविश्वास मिला और एक जिंदगी हार गई

हैरान करने वाली इस घटना में महिला को इलाज के नाम पर दस दिनों तक खंभे से बांधकर रखा गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उपचार के लिए उसे स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिस दौर में विज्ञान की उपलब्धियों के सहारे आम जनजीवन की समूची बुनियाद बदलने की एक प्रक्रिया चल रही है, उसमें महज अंधविश्वास की वजह से किसी की जान चली जाए या लोग अंधविश्वास की जड़ता में डूबे हों, तो इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी।उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में बीते मंगलवार को मानसिक रूप से बीमार एक महिला की मौत इसका उदाहरण है कि हम लाख अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों का हवाला देते रहें, समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी अंधविश्वास की कूपमंडूकताओं में डूबा हुआ है और इसके बेहद तकलीफदेह खामियाजे भी भुगत रहा है।हैरान करने वाली इस घटना में महिला को इलाज के नाम पर दस दिनों तक खंभे से बांधकर रखा गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उपचार के लिए उसे स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।अगर महिला के परिजनों या वहां के लोगों के बीच बीमारी और इलाज की सामान्य जानकारी भी होती, तो वे महिला को उपचार के लिए किसी चिकित्सक के पास ले जाते और उसकी जान बच सकती थी।आज भी झाड़-फूंक के सहारे इलाज का अंधविश्वास कायम है, तो आखिर इसकी जड़ें कहां मौजूद हैं? आम लोगों की अमूमन हर गतिविधि को किसी तकनीक पर निर्भर करने और डिजिटल दुनिया के दौर में भी लोगों के ज्ञान का दायरा इतना सिमटा हुआ क्यों है कि वे किसी बीमारी का इलाज झाड़-फूंक या तंत्र-मंत्र में ढूंढ़ते हैं?कई बार मानसिक रोगी का मनोचिकित्सक से उपचार नहीं कराया जाता और परिवार के सदस्य ही उसे तांत्रिक के पास ले जाते हैं। समाज से अधिक यह सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में मानसिक रोग के उपचार के लिए पर्याप्त अस्पताल और चिकित्सक क्यों नहीं हैं।मानसिक स्वास्थ्य को लेकर ज्यादातर लोगों का जागरूक न होना भी एक बड़ी चुनौती है। हैरानी की बात यह भी है कि तेज रफ्तार आधुनिक संचार के इस दौर में सरकार जहां अपनी किसी बात या प्रशासनिक फैसले को लागू करने वाले तंत्र को बिना किसी देरी के दूरदराज के इलाकों तक भी पहुंचा देती है, वहीं वह अंधविश्वास की जकड़न से घिरे लोगों के बीच वैज्ञानिक चेतना की रोशनी क्यों नहीं पहुंचाती?

उज्ज्वल है भारत का खेल भविष्य

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे। इसमें 7 स्वर्ण और 3 रजत शामिल रहे। यानी 71 प्रतिशत मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58 प्रतिशत था।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का प्रदर्शन उम्मीद से कहीं बेहतर रहा। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीते। वह पदक तालिका में चौथे नंबर पर रहा। पहली नजर में यह प्रदर्शन बर्मिंघम 2022 के 61 पदक से कमजोर दिख सकता है, लेकिन आंकड़े अलग कहानी बताते हैं। इस बार ग्लासगो में सिर्फ 10 खेल शामिल थे, जबकि बर्मिंघम में 19 खेल खेले गए थे। बैडमिंटन, कुश्ती, शूटिंग, हॉकी, टेबल टेनिस और क्रिकेट जैसे खेल ग्लासगो गेम्स का हिस्सा नहीं थे, जिनसे 2022 में भारत को 30 पदक मिले थे। इसके अलावा भारत ने 210 खिलाड़ियों की जगह सिर्फ 123 खिलाड़ियों का दल भेजा। इनमें से 38 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे, यानी सफलता की दर 31 प्रतिशत रही। बर्मिंघम में यह आंकड़ा 29 प्रतिशत था।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल शुरू होने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को 6 स्वर्ण समेत 31 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया था। भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना से भी ज्यादा स्वर्ण जीते। कुल पदक में भी आगे निकल गए। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में भारत का सबसे सफल खेल बॉक्सिंग रहा। 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी पदक जीतकर लौटे। इसमें 7 स्वर्ण और 3 रजत शामिल रहे। यानी 71 प्रतिशत मेडल कन्वर्जन रेट। बर्मिंघम 2022 में यह आंकड़ा 58 प्रतिशत था। पदक वितरण समारोह के दौरान सात बार भारत का राष्ट्रगान बजना न सिर्फ ग्लासगो में मौजूद भारतीय दर्शकों के लिए गर्व का पल था, बल्कि इस बात का सबूत भी था कि इस गैर-पारंपरिक खेल को गांवों और छोटे कस्बों तक ले जाने की पहल काफी हद तक सफल रही है। भारतीय बॉक्सरों के प्रदर्शन की जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है।

जूडो में भारत ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेल इतिहास में स्वर्ण जीता। अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने स्वर्ण जीता। यामिनी मौर्य ने रजत और उन्नति शर्मा ने कांस्य जीतकर कुल चार पदक भारत की झोली में डाले। हालांकि 14 सदस्यीय भारतीय टीम के दो खिलाड़ी अरुण कुमार और तुलिका मान डोपिंग के कारण बाहर हो गए। इसी तरह, एथलीटों और पैरा-एथलीटों ने 16 पदक जीते। इनमें से कुछ ने तो नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए।

वेटलिफ्टर्स ने आठ और पदक जीते। इन पदकों में ओलंपियन मीराबाई चानू का जीता हुआ एक स्वर्ण पदक भी शामिल था, जिससे उन्होंने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की; मणिपुर की इस एथलीट ने इससे पहले 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल में भी स्वर्ण पदक जीता था। असल में, मीराबाई चानू की शानदार कामयाबी के बावजूद, भारतीय वेटलिफ्टरों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इस निराशा की एक वजह यह है कि डोपिंग के आरोपों के कारण कम से कम दो भारतीय वेटलिफ्टरों की एंट्री वापस लेनी पड़ी। छह अन्य खिलाड़ी–कड़ी टक्कर न होने के बावजूद–लड़ने के जज़्बे की कमी या तकनीकी गलतियों की वजह से स्वर्ण पदक जीतने का मौका चूक गए।

एथलेटिक्स ने भारत को 10 पदक दिलाए, लेकिन एक भी स्वर्ण नहीं आया। नीरज चोपड़ा रजत जीत सके। उनके साथ डेब्यू कर रहे यशवीर सिंह ने कांस्य जीता। गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर में सिल्वर और 5 हजार मीटर रेस में कांस्य जीतकर इतिहास रचा। गुलवीर एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले वह भारत के पहले खिलाड़ी भी बनें। तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में भारत का पहला राष्ट्रमंडल पदक दिलाया। सरवेश कुशारे, श्रीशंकर, प्रवीण चित्रावेल और सीमा कालीरामना भी पदक जीतने में सफल रहे। हालांकि स्प्रिंट और रिले टीम से बड़ी उम्मीदें थीं, वह खाली हाथ रही।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के शासन में देश में खेलों का संस्थागत विकास तेजी से हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार यह दोहराया है कि खेल देश में एकता बढ़ाने, युवाओं को प्रेरित करने और भारत को एक आत्मविश्वासी और उभरती हुई वैश्विक ताकत के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी यह सोच कार्यों में भी दिखाई देती है, जैसे कि 'खेलो इंडिया'और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम यानी टॉप्स' जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से। इन पहलों ने देश में खेलों की पूरी व्यवस्था को नया रूप दिया है और भारत को खेलकूद के प्रति समर्पित एक राष्ट्र बना दिया है। इन योजनाओं के कारण भारतीय खिलाड़ियों को बेहतर वित्तीय सहायता, आधुनिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर मिला है, जिसके परिणामस्वरूप ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार सुधरा है।

नई प्रतिभाओं को पदक जीतने वाले खिलाड़ी में बदलने में खेलो इंडिया कार्यक्रम की अहम भूमिका रही है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक 2781 से अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और वित्तीय सहायता दी गई है। सरकार ने खेलो इंडिया योजना पर 36,441 करोड़ रुपये का भारी निवेश मंजूर किया है। वर्ष 2026-31 के लिए संशोधित खेलो इंडिया योजना को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय खेल महासंघों को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता दी जा रही है।

देश के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों से भी उभरती प्रतिभाओं को खोजा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की सुविधाएं देने के लिए देशभर में 1041 खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही, 32 खेलो इंडिया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और 301 खेल अकादमियों को मान्यता दी गई है, जिससे खेलों का पूरा इकोसिस्टम और मजबूत हुआ है। खेलो इंडिया सीओई में खिलाड़ियों को विशेषज्ञ कोचिंग, पोषण और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा दी जा रही है।

मोदी सरकार की इन पहलों का जमीन पर जबरदस्त असर भी दिख रहा है। 2022 एशियाई खेलों में भारत के 42 पदकों में से 124 पदक विजेता खेलो इंडिया से प्रशिक्षित खिलाड़ी थे। वहीं पेरिस 2024 ओलंपिक में खेलो इंडिया के 28 खिलाड़ियों ने देश का प्रतिनिधित्व किया था। खेलो इंडिया के खिलाड़ियों ने अब तक करीब 6000 राष्ट्रीय रिकॉर्ड और 1400 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए हैं, जो भारत के जमीनी स्तर के खेलकूद के कार्यक्रमों की प्रगति को दर्शाता है।

कोच और खेल विशेषज्ञ मानते हैं कि कॉन्टिनेंटल या ग्लोबल इवेंट्स में प्रतियोगिता का स्तर कहीं ज्यादा होता है। ऐसे में किसी एथलीट या खिलाड़ी की काबिलियत और कड़ी मेहनत की असली परीक्षा एशियन गेम्स या ओलंपिक्स में होती है। हालांकि कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते गए मेडल का महत्व कम नहीं आंका जाना चाहिए। इस बार युवा खिलाड़ियों ने दिखाया है कि भारत का खेल भविष्य पहले से कहीं ज्यादा उज्ज्वल दिख रहा है, कई खेलों में नई पीढ़ी के टैलेंटेड एथलीट सुर्खियां बटोर रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेल जैसी प्रतियोगिता में किए गए प्रदर्शन को आम तौर पर भविष्य में सुधार के पैमाने और अपनी खूबियों व कमियों के आकलन के तौर पर देखा जाता है।

राष्ट्रमंडल खेल के बाद अब भारतीय खिलाड़ियों की नजर एशियन गेम्स में दमदार प्रदर्शन करने पर है। 20 वें एशियाई खेल का आगाज 19 सितंबर से जापान के नागोया में होग। भारत इस बार हांग्जो 2022 के अपने ऐतिहासिक 107 पदकों के रिकॉर्ड को तोड़ने के इरादे से मैदान में उतरेगा। इसीलिए भारतीय खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेल में अपने प्रदर्शन पर गर्व करते हुए एशियन गेम्स में पेश आने वाली चुनौतियों के हिसाब से बिना एक भी पल गवाएं तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए। क्योंकि जब विदेशी धरती पर तिरंगा लहराता है और जन-गण-मन गूंजता है, तो वह पल केवल एक खिलाड़ी की जीत नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव बन जाता है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एफसीआरए बिल पर हल्ला मचा रहे विपक्षी दलों और ईसाई संगठनों को मार्को रुबियो का बयान सुनना चाहिए

(नीरज कुमार दुबे)

केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए के तहत पंजीकृत सक्रिय संगठनों की संख्या घटी है, लेकिन विदेशी चंदे का प्रवाह बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में 16,200 संगठनों को लगभग 22,963 करोड़ रुपये का विदेशी योगदान प्राप्त हुआ। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक को लेकर देश में तो इस समय व्यापक बहस छिड़ी ही हुई है, साथ ही इसकी गूंज अमेरिका तक सुनाई दे रही है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पहले स्वयं यह कह चुके हैं कि किसी भी देश में विदेशी फंड से संचालित संस्थाओं को वहां की संप्रभु सरकार के समानांतर व्यवस्था नहीं चलानी चाहिए और उन्हें मेजबान देश के कानूनों का सम्मान करना चाहिए। इसके बावजूद अमेरिकी सांसद राइली मूर भारत के प्रस्तावित कानून की आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने उन्हें आश्वस्त किया है कि प्रस्तावित संशोधन को पूर्व प्रभाव (रेट्रोस्पेक्टिव) से लागू नहीं किया जाएगा। इन घटनाक्रमों के बीच मोदी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विदेशी धन प्राप्त करने वाले संगठनों के संचालन में पारदर्शिता, जवाबदेही और भारतीय कानूनों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए के तहत पंजीकृत सक्रिय संगठनों की संख्या घटी है, लेकिन विदेशी चंदे का प्रवाह बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में 16,200 संगठनों को लगभग 22,963 करोड़ रुपये का विदेशी योगदान प्राप्त हुआ। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक को लेकर देश में तो इस समय व्यापक बहस छिड़ी ही हुई है, साथ ही इसकी गूंज अमेरिका तक सुनाई दे रही है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पहले स्वयं यह कह चुके हैं कि किसी भी देश में विदेशी फंड से संचालित संस्थाओं को वहां की संप्रभु सरकार के समानांतर व्यवस्था नहीं चलानी चाहिए और उन्हें मेजबान देश के कानूनों का सम्मान करना चाहिए। इसके बावजूद अमेरिकी सांसद राइली मूर भारत के प्रस्तावित कानून की आलोचना कर रहे हैं। दूसरी ओर, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने उन्हें आश्वस्त किया है कि प्रस्तावित संशोधन को पूर्व प्रभाव (रेट्रोस्पेक्टिव) से लागू नहीं किया जाएगा। इन घटनाक्रमों के बीच मोदी सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विदेशी धन प्राप्त करने वाले संगठनों के संचालन में पारदर्शिता, जवाबदेही और भारतीय कानूनों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में एफसीआरए के तहत पंजीकृत सक्रिय संगठनों की संख्या घटी है, लेकिन विदेशी चंदे का प्रवाह बना हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में 16,200 संगठनों को लगभग 22,963 करोड़ रुपये का विदेशी योगदान प्राप्त हुआ। वहीं बड़ी संख्या में ऐसे संगठनों के एफसीआरए लाइसेंस निरस्त या समाप्त भी किए गए हैं। सरकार का कहना है कि केवल वैध पंजीकरण रखने वाले संगठनों को ही विदेशी धन प्राप्त करने और उसका उपयोग करने का अधिकार होना चाहिए। हम आपको बता दें कि सरकार द्वारा लाए गए संशोधन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाता है, रद्द हो जाता है, नवीनीकृत नहीं होता या संस्था स्वयं उसे छोड़ देती है, तो विदेशी धन से निर्मित परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए एक नामित प्राधिकरण की व्यवस्था की जाएगी। यदि बाद में संस्था का पंजीकरण बहाल हो जाता है तो संबंधित संपत्तियां और अप्रयुक्त विदेशी योगदान वापस कर दिए जाएंगे। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार का तर्क है कि यह व्यवस्था किसी नए अधिकार का सृजन नहीं, बल्कि पहले से मौजूद प्रावधानों को अधिक स्पष्ट और व्यवस्थित बनाने का प्रयास है। वहीं प्रस्तावित संशोधन को लेकर कुछ चर्च संगठनों ने आशंकाएं भी व्यक्त की हैं। उनका कहना है कि कानून की कुछ धाराएं अत्यधिक कठोर हैं और उन्हें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से विभिन्न चर्च संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। वहीं मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने अमित शाह के साथ बैठक के बाद कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि प्रस्तावित संशोधन को पूर्व प्रभाव से लागू नहीं किया जाएगा। हम आपको यह भी बता दें कि केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं का विस्तार से जवाब भी दिया है। सरकार का कहना है कि प्रस्तावित कानून किसी विशेष धर्म, समुदाय या विचारधारा को निशाना नहीं बनाता। एफसीआरए के प्रावधान सभी विदेशी चंदा प्राप्त करने वाले संगठनों पर समान रूप से लागू होते हैं। केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी धार्मिक स्थल से जुड़ी संपत्ति का मामला आता है तो उसके धार्मिक स्वरूप को कानूनन सुरक्षित रखा जाएगा। साथ ही, नामित प्राधिकरण के आदेश अंतिम नहीं होंगे और उनके विरुद्ध न्यायालय में अपील का अधिकार भी उपलब्ध रहेगा। उधर, इस पूरे विवाद का अंतरराष्ट्रीय पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने आरोप लगाया कि यह कानून चर्चों और ईसाई संस्थाओं के खिलाफ है। हालांकि स्वयं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पिछले वर्ष यह कहा था कि विदेशी सहायता कार्यक्रम मेजबान देशों की सरकारों के समानांतर नहीं चलने चाहिए और विदेशी वित्तपोषित संस्थाओं को संबंधित देश की नीतियों और कानूनों के अनुरूप काम करना चाहिए। यही कारण है कि भारत के संदर्भ में उठ रही आलोचना पर दोहरे मापदंड का प्रश्न भी सामने आया है। देखा जाये तो लोकतंत्र में किसी भी कानून पर बहस और समीक्षा का अधिकार सभी को है, लेकिन भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। यदि कोई संगठन विदेशी चंदे के सहारे पूरी पारदर्शिता और भारतीय कानूनों का पालन करते हुए जनकल्याण का कार्य करता है, तो उसके लिए इस कानून से घबराने का कोई कारण नहीं होना चाहिए।

मिनीमाता : छत्तीसगढ़ की ममतामयी, जिन्होंने सामाजिक न्याय और महिला सम्मान के लिए जीवन समर्पित किया

11 अगस्त पुण्यतिथि विशेष : संघर्ष, सेवा और सामाजिक चेतना की अमर मिसाल हैं मिनीमाता

छत्तीसगढ़ की सामाजिक चेतना, महिला सम्मान और दलित-शोषित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में मिनीमाता का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। सादगी, करुणा, सेवा और सामाजिक न्याय को अपने जीवन का उद्देश्य बनाने वाली मिनीमाता को छत्तीसगढ़ की जनता स्नेहपूर्वक 'ममता माई' के नाम से याद करती है। 11 अगस्त को उनकी पुण्यतिथि पर प्रदेशभर में उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया जाता है।

असम से छत्तीसगढ़ तक का सफर

मिनीमाता अगमदास गुरु का जन्म 11 मार्च 1913 को असम के नौगांव जिले के जमुनामुख ग्राम में हुआ था, उसका मूल नाम मीनाक्षी देवी था। उनका विवाह छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध समाज सुधारक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अगमदास गुरु से हुआ। विवाह के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहां के सामाजिक जीवन से गहराई से जुड़ गईं।

उस दौर में समाज में जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, महिलाओं की अशिक्षा और अनेक सामाजिक कुरीतियां मौजूद थीं। मिनीमाता ने इन परिस्थितियों को केवल देखा नहीं, बल्कि इनके खिलाफ लगातार आवाज उठाई । उनका निधन 11 अगस्त 1972 को भोपाल से दिल्ली जाते समय एक विमान दुर्घटना में हुआ था। उनके निधन के बाद सम्मान में छत्तीसगढ़ विधानसभा का नाम मिनीमाता के नाम से रखा गया था।

महिला शिक्षा और सम्मान की प्रबल समर्थक

मिनीमाता का मानना था कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति महिलाओं की शिक्षा और सम्मान के बिना संभव नहीं है। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने, उन्हें सामाजिक रूप से जागरूक बनाने तथा आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने महिलाओं और वंचित वर्गों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझा और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाई। उनके प्रयासों ने उस समय समाज में नई जागरूकता पैदा की।

अस्पृश्यता और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष

मिनीमाता ने छुआछूत और जातिगत भेदभाव का खुलकर विरोध किया। वे समाज में समानता और मानवीय गरिमा की पक्षधर थीं। उनका सार्वजनिक जीवन इस विचार से प्रेरित रहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने दलित, गरीब और कमजोर वर्गों की समस्याओं को राजनीतिक एवं सामाजिक मंचों तक पहुंचाने का काम किया। उनके लिए राजनीति केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम थी।

संसद तक पहुंची छत्तीसगढ़ की आवाज

ममतामयी मिनीमाता पहली बार वर्ष 1955 में सांसद बनी थीं। अपने पति गुरु अगमदास के निधन के बाद हुए उपचुनाव में वह कांग्रेस पार्टी के टिकट पर पहली लोकसभा के लिए संसद सदस्य चुनी गईं। इसके बाद वह लगातार पांचवें कार्यकाल (1971 तक) तक लोकसभा सांसद रहीं। मिनीमाता ने सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे लोकसभा की सदस्य चुनी गईं और संसद में छत्तीसगढ़ तथा वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया।

संसद में उन्होंने सामाजिक न्याय, महिला अधिकार, शिक्षा, श्रमिकों और कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में भी उनका योगदान प्रेरणादायक रहा।

सरल जीवन, संवेदनशील व्यक्तित्व

मिनीमाता का जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण था। वे आम लोगों से सहजता से मिलती थीं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनती थीं। गरीब और जरूरतमंद लोगों के प्रति उनके मन में विशेष संवेदना थी।

यही कारण है कि वे केवल एक राजनेता के रूप में नहीं, बल्कि समाज की 'ममता माई' के रूप में लोकप्रिय हुईं। उनके व्यक्तित्व में राजनीतिक सक्रियता के साथ मानवीय संवेदना और सेवा भावना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता था।

समाज सुधार की प्रेरणास्रोत

मिनीमाता का जीवन उस दौर की महिलाओं के लिए प्रेरणा बना, जब महिलाओं का सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में आना आसान नहीं था। उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए अपने कार्यों से यह संदेश दिया कि महिलाएं समाज परिवर्तन की महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं।

उनका संघर्ष केवल किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं था। वे सामाजिक समानता, शिक्षा, महिला सम्मान और कमजोर वर्गों के अधिकारों की व्यापक समर्थक थीं।

मिनीमाता का अमर संदेश

मिनीमाता का जीवन आज भी समाज को यह संदेश देता है कि सामाजिक परिवर्तन केवल कानूनों से नहीं, बल्कि जनजागरण और संवेदनशील सोच से संभव होता है। उन्होंने अपने जीवन में सेवा, समानता और मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया। आज जब समाज शिक्षा, समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब मिनीमाता के विचार और संघर्ष और भी प्रासंगिक दिखाई देते हैं।

11 अगस्त : पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

11 अगस्त को मिनीमाता की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक योगदान को याद किया जाता है। उनकी पुण्यतिथि केवल एक महान व्यक्तित्व को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानव सम्मान के उनके संकल्पों को आगे बढ़ाने का दिन भी है।

छत्तीसगढ़ की धरती पर सामाजिक न्याय, महिला सम्मान और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

ममता, सेवा, समानता और संघर्ष की प्रतीक मिनीमाता का जीवन आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक न्याय की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा।

मिनीमाता को उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन ।

ताड़पाला एफओबी पहुंचे तेलंगाना के डीजीपी, सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

नक्सल विरोधी अभियान और अंतरराज्यीय समन्वय पर हुई चर्चा, जवानों से संवाद कर बढ़ाया हौसला

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते सोमवार को बीजापुर-तेलंगाना सीमा से लगे इलाके ताड़पाला में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की अहम बैठक और निरीक्षण हुआ। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद, आईपीएस ने ताड़पाला स्थित एफओबी का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था, क्षेत्र की वर्तमान परिस्थितियों और नक्सल विरोधी अभियानों की जानकारी ली।

उन्होंने सीमा क्षेत्र में नक्सलवाद के प्रभाव को खत्म करने के लिए दोनों राज्यों के सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय को जरूरी बताया।डीजीपी के साथ सीआरपीएफसाउथ जोन के एडीजी रवदीप सिंह साही, तेलंगाना पुलिस एवं सीआरपीएफके वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुलुगु कलेक्टर भोकांड़े हेमंत सहदेवराव, एसपी सुधीर रामनाथ केकर और डीएफओ विकास मीणा भी दौरे में शामिल हुए।

कमांडेंट ने दी एफओबी की जानकारी- ताड़पाला एफओबी पहुंचने पर 196वीं वाहिनी के कमांडेंट कुमार मनीष ने डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने एफओबी की स्थापना, निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही सुरक्षा बलों की गतिविधियों और नक्सल विरोधी अभियानों की प्रगति से भी अधिकारियों को अवगत कराया।दौरे के दौरान डीजीपी सी.वी. आनंद ने बीजापुर-तेलंगाना सीमा क्षेत्र में ध्वजारोहण किया। इसके बाद एफओबी परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जवानों से किया संवाद- कैंप परिसर का निरीक्षण करने के बाद डीजीपी ने तैनात अधिकारियों और जवानों से संवाद किया। उन्होंने क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान जवानों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की प्रशंसा करते हुए शहीद जवानों के बलिदान को नमन किया।उन्होंने कहा कि बीजापुर और तेलंगाना सीमा से लगे क्षेत्रों में नक्सलवाद के प्रभाव को समाप्त करने तथा स्थायी शांति और विकास स्थापित करने के लिए दोनों राज्यों के सुरक्षा बलों के बीच बेहतर समन्वय एवं आपसी सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है।

सुरक्षा रणनीति पर भी मंथन-दौरे के दौरान सीआरपीएफ साउथ जोन के एडीजी रवदीप सिंह साही सहित तेलंगाना पुलिस और सीआरपीएफके वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति, अंतरराज्यीय समन्वय और नक्सल विरोधी अभियानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। 196वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश, सहायक कमांडेंट विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे। दौरे के अंत में कमांडेंट कुमार मनीष ने डीजीपी सी.वी. आनंद को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

मां की नजूल जमीन की कथित फर्जी बिक्री का आरोप, रजिस्ट्री निरस्त कराने कलेक्टर से गुहार

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर चारामा ग्राम चपेती निवासी परदेशी राम पटेल ने अपनी मां की नजूल जमीन की कथित धोखाधड़ी से बिक्री किए जाने और गलत तरीके से कराई गई रजिस्ट्री को निरस्त कराने की मांग को लेकर जिला प्रशासन से फिर गुहार लगाई है। उन्होंने इस संबंध में पूर्व में दिए गए आवेदन पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर के समक्ष पुनः आवेदन प्रस्तुत किया है।आवेदन के अनुसार, परदेशी राम पटेल ने बताया कि उनकी मां श्यामबाई, पति रामचरण, की नजूल भूमि खसरा नंबर 491 में लगभग 3.25 एकड़ जमीन है। आरोप है कि उक्त जमीन को धोखाधड़ी एवं गलत तरीके से रजिस्ट्री कराकर बेच दिया गया। आवेदक के मुताबिक जमीन पर उसकी मां की तीन संतानें-प्रमीला, परदेशी और सतवती-हैं और तीनों का बराबर हिस्सा बताया गया है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि उक्त जमीन को बलराम पिता लक्षण द्वारा अपने नाम दर्ज कराकर खेलालाल महमला को बेच दिया गया, जिसे आवेदक ने पूरी तरह गैरकानूनी बताया है। परदेशी राम का कहना है कि इस मामले में पूर्व में 25 मई 2026 को भी आवेदन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक अथवा ठोस कार्रवाई नहीं होने से परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 एवं छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 165 के तहत कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही कथित धोखाधड़ी से कराई गई रजिस्ट्री को तत्काल निरस्त करने तथा मां की नजूल जमीन में तीनों भाई-बहनों को उनके बराबर कानूनी हिस्से दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की मांग की गई है। मामला अब जिला प्रशासन के समक्ष पहुंचने के बाद जमीन की रजिस्ट्री, स्वामित्व एवं हिस्सेदारी को लेकर जांच और प्रशासनिक कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की वास्तविकता संबंधित दस्तावेजों और प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

दामाद ने ससुर की किराना दुकान में लगाई आग, गिरफ्तार

रघुनाथनगर/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । ग्राम सोनहत में आपसी कहासुनी के बाद किराना दुकान में आग लगाने के मामले में रघुनाथनगर पुलिस ने आरोपी अनिल साहू (23) निवासी बिहारपुर, जिला सूरजपुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, ग्राम सोनहत निवासी मायाराम साहू (45) ने 9 अगस्त को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 8 अगस्त की शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच उसका दामाद अनिल साहू आपसी कहासुनी के बाद उसकी किराना दुकान में आग लगा दी। दुकान का संचालन मायाराम की बेटी द्वारा किया जाता है। आगजनी में दुकान का काफी सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।घटना के बाद पारिवारिक समझौते के तहत आरोपी द्वारा नुकसान की भरपाई करने की बात कही गई थी, लेकिन रकम नहीं देने पर मायाराम साहू ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत पर रघुनाथनगर पुलिस ने अपराध क्रमांक 94/2026, धारा 326(छ) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस ने आरोपी के घर दबिश देकर 10 अगस्त को उसे गिरफ्तार किया और रामानुजगंज न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा विजिबल अभियान पुलिसिंग एवं चेकिंग की लगातार कार्यवाही जारी

बेमेतरा पुलिस की सघन पैदल गश्त, अड्डेबाजों और संदिग्धों पर कड़ी नजर

शहर के भीड़-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक स्थलों, होटल, ढाबों तथा सुनसान क्षेत्रों में की गई चेकिंग

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा जिले में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा जिले में सतत विजिबल पुलिसिंग को प्रभावी बनाने संवेदनशील क्षेत्रों, अड्डेबाजी स्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगातार पैदल गश्त, पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 09 अगस्त 2026 को एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के नेतृत्व में थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा के थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, थाना प्रभारी बेरला उप निरीक्षक राजकुमार साहू, प्रधान आरक्षक चंद्रशेखर राजपूत, आरक्षक धनेश लहरे, संजय पाटिल सहित पेट्रोलिंग टीम एवं अन्य पुलिस बल द्वारा थाना क्षेत्र में पैदल गश्त एवं सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के चौपाटी सहित भीड़-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक स्थलों, होटल, ढाबों तथा सुनसान क्षेत्रों में विशेष चेकिंग की गई। इस दौरान अड्डेबाजी करने वालों, नशा करने वालों, गुटबाजी में शामिल व्यक्तियों एवं संदिग्ध लोगों की गहन जांच की गई। साथ ही संदिग्ध वाहनों की डिक्की की तलाशी लेकर रात्रि में अनावश्यक रूप से घूमने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई। बेमेतरा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने, शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने तथा पार्क, मैदान, चौक-चौराहों एवं चार पहिया वाहनों के भीतर बैठकर शराब पीने वालों के विरुद्ध लगातार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बेमेतरा पुलिस ने नागरिकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। लगातार की जा रही विजिबल पुलिसिंग एवं सघन गश्त का उद्देश्य अपराधों की रोकथाम, असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

मवेशी तस्करी पर रामचंद्रपुर पुलिस का शिकंजा, एंड-टू-एंड कार्रवाई में एक और आरोपी गिरफ्तार

छह मवेशियों को क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते बूचड़खाने ले जाने का आरोप, पहले दो आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार

रामचंद्रपुर/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता ।। मवेशी तस्करी के खिलाफरामचंद्रपुर पुलिस ने कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ग्राम कुलुडीह निवासी अब्दुला अंसारी (39) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को पुलिस द्वारा न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर चुकी है।पुलिस के मुताबिक, मामला 16 जुलाई 2026 का है। ग्राम साकेत, थाना रामचंद्रपुर निवासी उदय कुमार सिंह ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुछ लोग छह रास गाय-बछड़ों को क्रूरतापूर्वक मारते-पीटते हुए बूचड़खाने ले जा रहे थे। इस दौरान मवेशियों को ले जाते देख उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपी छह मवेशियों को मौके पर छोड़कर फरार हो गए।शिकायत मिलने के बाद रामचंद्रपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराध क्रमांक 31/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से मिले तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश शुरू की। प्रारंभिक कार्रवाई में पुलिस ने ऐनुल एवं मौजूद्दीन को 16 जुलाई को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों को विधिवत न्यायालय में पेश किया गया।

कथनों और तकनीकी साक्ष्यों से सामने आया आरोपी का नाम-मामले की विवेचना को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कथनों के साथ-साथ तकनीकी साक्ष्यों का भी विश्लेषण किया। विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस को मामले में अब्दुला अंसारी की संलिप्तता के संबंध में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने उसकी तलाश शुरू की। लगातार पतासाजी के बाद पुलिस ने 10 अगस्त 2026 को अब्दुला अंसारी, पिता आशिक अंसारी, उम्र 39 वर्ष, निवासी ग्राम कुलुडीह, थाना सनावल, जिला बलरामपुर को गिरफ्तार कर लिया।

मवेशी तस्करी के नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश-पुलिस की इस कार्रवाई को मामले में एंड-टू-एंड कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ, उनके कथनों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। पुलिस की कार्रवाई का उद्देश्य मवेशियों को अवैध रूप से ले जाने वाले पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल लोगों की भूमिका का पता लगाना है। आरोपी के खिलाफपशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 तथा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परीक्षण निवारण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 एवं 10 के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

बसंतपुर पुलिस की एंड-टू-एंड कार्रवाई, लंबे समय से फरार आरोपी को बलिया से दबोचा; ट्रांजिट रिमांड पर छत्तीसगढ़ लाकर भेजा जेल

117 किलो गांजा तस्करी मामले में यूपी का आरोपी गिरफ्तार

बसंतपुर/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में गांजा तस्करी के खिलाफ चल रही पुलिस कार्रवाई के तहत थाना बसंतपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 117 किलोग्राम गांजा तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे उत्तर प्रदेश के एक आरोपी को उसके गृह ग्राम से गिरफ्तार किया है। आरोपी को उत्तर प्रदेश के बलिया न्यायालय में पेश कर ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ लाकर 10 अगस्त को राजपुर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, यह कार्रवाई अपराध क्रमांक 204/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(द्वद्व)(सी) के मामले में की गई है। प्रकरण में आरोपी रवि कुमार गुप्ता (28 वर्ष), पिता रमेश प्रसाद गुप्ता, निवासी बहादुरपुर कोपवा, थाना फेफना, जिला बलिया, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है।

ट्रैक्टर की हाइड्रोलिक ट्रॉली में छिपाकर ले जा रहे थे गांजा-पुलिस ने बताया कि 9 नवंबर 2025 को थाना बसंतपुर क्षेत्र में गांजा तस्करी की सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई थी। इस दौरान पुलिस ने आरोपी राहुल कुमार यादव, निवासी वंशराज बिगहा, जिला रोहतास, बिहार के कब्जे से ट्रैक्टर की हाइड्रोलिक ट्रॉली में छिपाकर रखा गया करीब 117 किलोग्राम गांजा बरामद किया था। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।जांच के दौरान पुलिस को इस तस्करी नेटवर्क में अन्य लोगों के जुड़े होने के साक्ष्य मिले। प्रकरण में रवि कुमार गुप्ता फरार चल रहा था और पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।

मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्य से पहुंची पुलिस-वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में बसंतपुर पुलिस ने फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी दौरान पुलिस को आरोपी के अपने गृह ग्राम थाना क्षेत्र में आने की सूचना मिली। मुखबिर सूचना के साथ तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने आरोपी की लोकेशन की पुष्टि की। सूचना मिलते ही थाना बसंतपुर प्रभारी हमराह स्टाफ के साथ उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हुए। आरोपी के घर पर मौजूद होने की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

बलिया कोर्ट से लिया ट्रांजिट रिमांड-गिरफ्तारी के बाद आरोपी को नियमानुसार माननीय न्यायालय बलिया, उत्तर प्रदेश के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त करने के बाद पुलिस आरोपी को छत्तीसगढ़ लेकर पहुंची। इसके बाद 10 अगस्त 2026 को आरोपी को माननीय न्यायालय राजपुर के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने मूल संस्कृति, परंपरा एवं प्रकृति की रक्षा के साथ ही आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग पर भी केंद्र सरकार से मांग की जाए

विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न, पांच चौराहों का भूमि पूजन एवं नामकरण से समाज में हर्ष का माहौल

केशकाल/मूक पत्रिका

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज ब्लाक ईकाई केशकाल, सर्व आदिवासी समाज के तत्वावधान में रावण भाटा डिहीपारा से केशकाल बस स्टैंड तक विशाल शांतिपूर्ण रैली निकाली गई। रैली पुनः मंच पर वापस आकर संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व आदिवासी समाज के ब्लाक अध्यक्ष फरसू राम सलाम ने की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केशकाल क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ टेकाम उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रमुख बिंदुः(1) 3 करोड़ के भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा केशकाल ब्लाक के लिए सर्व आदिवासी समाज भवन निर्माण हेतु 3 करोड़ रुपए की घोषणा की गई थी। आज उसी भूमि पर क्षेत्रीय विधायक नीलकंठ टेकाम के कर कमलों से विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। समाज ने इस घोषणा के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। (2) पांच नए चौंक चौराहों का भूमि पूजन एवं नामकरण किया गया । नगर पंचायत केशकाल के अंतर्गत पांच प्रमुख चौराहों का भूमि पूजन ब्लाक अध्यक्ष फरसू राम सलाम एवं नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल सोरी के द्वारा किया गया। साथ ही इन पांच चौराहों को आदिवासी महापुरुषों के नाम पर आरक्षित, व्यवस्थित एवं शासकीय अभिलेख में दर्ज करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व केशकाल को ज्ञापन सौंपा गया। भूमि पूजन के साथ सर्व आदिवासी एवं बुढ़ा देव का झंडा फहराने तथा निर्धारित स्थानों पर खूंटा गाड़ने की परंपरागत रस्म भी निभाई गई। ड्डनगर पंचायत अध्यक्ष बिहारी लाल सोरी ने कहा पूरे समाज को ध्यान में रखते हुए यह चौराहों का भूमि पूजन किया गया है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है।÷ 3. सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामाजिक संदेश रैली के बाद मंच पर आदिवासी संस्कृति पर आधारित पारंपरिक नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किए गए। मातृशक्तियों, युवा पीढ़ी एवं समाज के वक्ताओं ने विचार रखे। वक्ताओं ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, नशा मुक्ति, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने तथा परंपरागत खेती पद्धति को पुनर्जीवित करने पर विशेष जोर दिया।

4. प्रमुख मांगें- सभा में सर्वसम्मति से निम्न मांगें रखी गईः बस्तर संभाग को पेसा कानून के क्षेत्र में रखा जाए वन अधिकार अधिनियम एवं पेसा कानून का प्रभावी क्रियान्वयन हो। आदिवासी समाज को नगरीय निकायों से दूर रखा जाए । मूल संस्कृति, परंपरा एवं प्रकृति की रक्षा की जाए आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग केंद्र सरकार से की जाए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं एवं विभिन्न गांवों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी सगाजनों ने एक-दूसरे को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन एवं भाईचारे का माहौल रहा। अंत में सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, समाजजनों एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

सखी महिला समूह द्वारा सावन पर्व का उत्साहपूर्ण आयोजन

बिलासपुर । सखी महिला समूह, एस.ई.सी.एल, नर्मदा क्लब, वसंत विहार द्वारा दिनांक 06 अगस्त 2026 को सावन पर्व बड़े ही हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समूह की सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई तथा गुलाबी रंग की साड़ी धारण कर पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। महिलाओं ने एक-दूसरे को हरी चूड़ियां पहनाकर पारंपरिक सौहार्द का परिचय दिया एवं सुहाग सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, साथ ही संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को आनंदमय बना दिया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं नेतृत्व समूह की सचिव श्रीमती खुशी क्षत्रिय , उप सचिव श्रीमती मोना कामले , कोषाध्यक्ष श्रीमती बिन्नी कुर्रे तथा सांस्कृतिक सचिव श्रीमती करुणा साहू द्वारा किया गया। अंत में कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया।

जयरामनगर स्टेशन में चलाया गया औचक टिकट चेकिंग अभियान

बिलासपुर । टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में जयरामनगर स्टेशन में कल दिनांक 08 अगस्त 2026 को औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, टीटीई स्टाफ तथा आरपीएफ स्टाफ शामिल थे। इस दौरान जयरामनगर स्टेशन एवं यहां से गुजरने वाली 26 गाड़ियों में औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया 7 इस अभियान में कुल 297 मामलों से 1 लाख 94 हजार 620 रुपये बतौर जुर्माना वसूले गए । जिसमें बिना टिकट के 245 मामले से 1,80,250 रुपए, अनियमित टिकट के 17 मामले से 10,670 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 35 मामले से 3,700 रुपए शामिल है 7 रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

श्रावण मास पर मातृ गोष्ठी का आयोजन समपन्न हुआ

बिलासपुर । सरस्वती शिशु मंदिर, राजकिशोर नगर, बिलासपुर में सावन माह के पावन अवसर पर मातृ गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय से जुड़ी माताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। भजन-कीर्तन और भक्तिमय वातावरण के बीच माताओं ने सनातन संस्कृति एवं परंपराओं से बच्चों को जोड़ने की दिशा में विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मातृ गोष्ठी के दौरान माताओं ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सावन के पावन महीने में आयोजित इस कार्यक्रम ने माताओं को एक-दूसरे से जुड़ने और भारतीय संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्याख्याता श्रीमती प्रीतिबाला पटेल एवं श्रीमती आनंदी दुबे का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य भूपेंद्र गौरहा तथा व्याख्याता रमाकांत मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सफलता की कहानी : सरस्वती साइकिल योजना से हंसिका के लिए शिक्षा की राह हुई आसान

बिलासपुर । किसी भी बेटी के सपनों को नई उड़ान देने के लिए केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि विद्यालय तक सहज पहुंच भी उतनी ही आवश्यक होती है। छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती साइकिल योजना इसी सोच को साकार कर रही है। यह योजना बेटियों को केवल साइकिल ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समय की बचत और शिक्षा की नई दिशा भी दे रही है। जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, चकरभाठा की कक्षा 9वीं की छात्रा हंसिका नेताम इसकी जीवंत मिसाल हैं। हंसिका बताती हैं कि पहले विद्यालय आने-जाने में उन्हें काफी परेशानी होती थी। घर से स्कूल की दूरी तय करने में अधिक समय लग जाता था। कई बार समय पर विद्यालय पहुंचना भी चुनौती बन जाता था, जिससे पढ़ाई और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ता था। प्रतिदिन लंबी दूरी तय करने से थकान भी महसूस होती थी। सरस्वती साइकिल योजना के तहत नि:शुल्क साइकिल मिलने के बाद हंसिका की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई। अब वे कम समय में आसानी से विद्यालय पहुंच जाती हैं। पहले जहां स्कूल पहुंचने में काफी समय लगता था, वहीं अब घंटों की दूरी कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाती है। समय की बचत होने से उन्हें पढ़ाई, गृहकार्य, खेलकूद तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाता है। नियमित रूप से विद्यालय पहुंचने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है और पढ़ाई के प्रति उनका उत्साह पहले से कहीं अधिक हो गया है। हंसिका कहती हैं कि साइकिल मिलने से उन्हें आत्मनिर्भर होने का एहसास हुआ है। अब वे बिना किसी पर निर्भर हुए स्वयं विद्यालय आती-जाती हैं। इससे उनके परिवार को भी राहत मिली है।

बैठक से नदारद चार अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस

भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर दूरदर्शी कार्ययोजना बनाएं विकास कार्यों में तेजी और गुणवत्ता हो: उपमुख्यमंत्री अरूण साव..

■ सड़क पर बिजली खंभे लगाने के मामले में प्रभारी मंत्री सख्त, जांच के निर्देश

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने कहा है कि समय की मांग बदल रही है, इसलिए अधिकारी वर्तमान के साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर दूरदर्शी कार्ययोजना बनाएं। विकास कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में विलंब को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करने की बात कही। श्री साव आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला एवं श्री दिलीप लहरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित सभी जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री श्री साव ने बिल्हा के बरतोरी से मोहतरा मार्ग पर सड़क के बीच बिजली के खंभे खड़े किए जाने के मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला पंचायत सीईओ को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने पर बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक से अनुपस्थित रहने वाले चार अधिकारियों के प्रति भी प्रभारी मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने बिल्हा, कोटा और तखतपुर जनपद पंचायत के सीईओ तथा रतनपुर नगरपालिका के सीएमओ को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने विभागों के कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करते रहने और मैदानी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। श्री साव ने कहा कि बिलासपुर शहर में पहली ही बारिश में जलभराव की स्थिति सामने आई है। इससे निपटने के लिए अभी से ऐसी बेहतर और स्थायी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे आने वाले वर्षों में शहरवासियों को इस समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान सड़कों पर गड्ढे और क्षति की स्थिति बनती है। विभागीय अधिकारी इसकी तैयारी अभी से रखें, ताकि बारिश समाप्त होते ही सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्य तत्काल शुरू किया जा सके। उन्होंने निर्माण विभागों की अलग से बैठक लेकर कार्यों की विस्तृत समीक्षा करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं। प्रभारी मंत्री ने मलेरिया सहित मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जिले की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने गांव स्तर पर लगातार निगरानी रखने तथा मितानिन स्तर तक आवश्यक एवं मूलभूत दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रायपुर स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों की तत्परता से यात्री को मिला समय पर उपचार

■ अस्वस्थ यात्री की तत्काल सहायता कर अस्पताल पहुंचाया, परिजनों को भी दी सूचना

बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेलवे कर्मचारियों की सजगता, तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण सामने आया, जब गंभीर रूप से अस्वस्थ एक यात्री को समय पर सहायता प्रदान कर चिकित्सकीय उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। दिनांक 07 अगस्त 2026 को ट्रेन संख्या 18238 से रानी कमलापति से रायपुर की यात्रा कर रहे श्री यशवंत सिंह (56 वर्ष), एच-1 कोच में यात्रा कर रहे थे। ट्रेन के रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 5-6 पर पहुंचने के बाद यात्री ट्रेन से उतरे, लेकिन उनकी तबीयत अचानक अत्यधिक खराब हो गई और वे स्वयं खड़े होने की स्थिति में नहीं थे। ड्यूटी पर तैनात सीटीआई/रायपुर स्क्वाड की नजर यात्री पर पड़ी। उन्होंने तत्काल यात्री की स्थिति को समझते हुए उन्हें सहारा दिया, सुरक्षित रूप से लिटाया तथा बिना विलंब कमर्शियल कंट्रोल को सूचना देकर आवश्यक सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित की। सूचना मिलते ही डिप्टी एसएस/कमर्शियल/रायपुर तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति की कमान संभाली। उन्होंने रेलवे चिकित्सक से संपर्क कर यात्री के लिए तत्काल चिकित्सकीय सहायता की व्यवस्था की तथा एंबुलेंस भी उपलब्ध कराई। साथ ही, यात्री के परिजनों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी देकर रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता से अवगत कराया। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात सीसीटीसी/स्टेशन स्टाफ भी बैटरी कार के साथ मौके पर पहुंचे। सभी कर्मचारियों ने आपसी समन्वय से यात्री को अत्यंत सावधानीपूर्वक सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

रेलवे चिकित्सक ने यात्री की जांच कर आवश्यक दवाएं एवं प्राथमिक उपचार प्रदान किया। इसके पश्चात यात्री को रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस के माध्यम से उनके परिजनों के साथ अंबेडकर अस्पताल भेजा गया, जहां उन्हें आगे के उपचार के लिए भर्ती कराया गया। यात्री के सामान को भी रेलवे कर्मचारियों ने सुरक्षित रखा और बाद में उनके परिजनों को सौंप दिया। समय पर की गई इस त्वरित कार्रवाई और मानवीय सहयोग के लिए यात्री श्री यशवंत सिंह ने रेलवे एवं उसके कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि रेलवे कर्मचारियों की समय पर मिली सहायता ने उनकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पूरे घटनाक्रम में श्री मकसूद अली, सीटीआई/रायपुर, श्री राजा सरकार, डिप्टी एसएस/कमर्शियल/रायपुर, श्री अजीत कुमार, सीसीटीसी तथा श्री राहुल दामले, सीसीटीसी, सहित रेलवे चिकित्सा दल द्वारा दिखाई गई सजगता, त्वरित निर्णय क्षमता, कर्तव्यनिष्ठा और आपसी समन्वय अत्यंत सराहनीय रहा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सेवा के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। इस घटना में रेलवे कर्मचारियों की संवेदनशील एवं तत्पर कार्यप्रणाली इसी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

गैलेक्सी एआई को आगे बढ़ाने में भारतीय रिसर्च एंड डेवलपमेंट की भूमिका बढ़ी, प्रीमियम स्मार्टफोन अब मेट्रो शहरों से बाहर भी तेजी से बढ़ रहे हैं: सैमसंग इंडिया

गुरुग्राम - सैमसंग इंडिया ने अपने नोएडा और बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) सेंटर के बढ़ते योगदान के बारे में बताया है, जो गैलेक्सी एआई को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। भारत में बनी तकनीकें अब सैमसंग के दुनिया भर के एआई प्लान का हिस्सा बनती जा रही हैं। गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सीZ फ्लिप8 के सफल लॉन्च के बाद, सैमसंग ने कहा कि उसके भारतीय इंजीनियर भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर एआई एक्सपीरियंस बना रहे हैं। कंपनी का कहना है कि भारत के आर एंड डी सेंटर से मिली जानकारी गैलेक्सी एआई के फीचर बनाने में मदद कर रही है, जो सैमसंग के दुनिया भर के इनोवेशन नेटवर्क में भारत की बढ़ती भूमिका को दिखाता है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि भारत में सैमसंग के इंजीनियर इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि लोग रोजमर्रा की जिंदगी में तकनीक का इस्तेमाल कैसे करते हैं।

प्ररूप- (तीन)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

नाबालिग पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं रही पति मनोज साहू उम्र 46 वर्ष, जाति तेली (माता/पिता/ पालक का नाम) निवासी, ग्राम बिलई, तहसील व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र का नाम दुर्गेश (DURGESH) (पुराना नाम) से बदल कर टोपेन्द्र कुमार साहू (TOPENDRA KUMAR SAHU) (नया नाम) रख लिया है ।

राही
टोपेन्द्र कुमार साहू
(TOPENDRA KUMAR SAHU)
(ना. बा.) की ओर से अभिभावक / पिता / माता
नाम-रही

प्ररूप- (तीन)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

नाबालिग पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं देवानंद देवांगन पिता बिसौहा देवांगन आयु 30 वर्ष, जाति कोष्टा, (माता / पिता / पालक का नाम) निवासी ग्राम बीजाभाट, म. नं. 192 जय स्तम्भ चौक, पोस्ट बीजाभाट, तहसील व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम दित्या देवांगन (DITYA DEWANGAN) (पुराना नाम) से बदल कर दिव्या देवांगन (DIVYA DEWANGAN) (नया नाम) रख लिया है ।

देवानंद देवांगन
दिव्या देवांगन
(DIVYA DEWANGAN)
(ना. बा.) की ओर से अभिभावक / पिता / माता
नाम- देवानंद देवांगन

प्ररूप- (तीन)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना स्वयं के नाम परिवर्तन के मामले में

मैं सविता बाई यादव (SAVITA BAI YADAV) (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पत्नी संतराम यादव आयु 36 वर्ष, जाति राऊत, निवासी ग्राम चारभाठा, पो. झाल, तहसील, व जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ राज्य ने अपना नाम सविता बाई यादव (SAVITA BAI YADAV) (पुराना नाम) से बदल कर संगीता बाई यादव (SANGITA BAI YADAV) (नया नाम) रख लिया है।

संगीता यादव
हस्ताक्षर (पुराने नाम से)
सविता बाई यादव
(SAVITA BAI YADAV)

प्ररूप- (तीन)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

नाबालिग पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मै उमेन्द्र साहू पिता हेमा साहू आयु 42 वर्ष, (माता / पिता / पालक का नाम) जाति तेली, निवासी सिंघौरी, पोस्ट, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र का नाम टिकेन्द्र साहू (TIKENDR SAHU) (पुराना नाम) से बदल कर टिकेश्वर साहू (TIKESHWAR SAHU) (नया नाम) रख लिया है

टिकेश्वर साहू (TIKESHWAR SAHU)
(ना. बा.) की ओर से अभिभावक / पिता / माता
नाम - उमेन्द्र साहू

प्ररूप- (तीन)

शपथ पत्र (नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मैं गंगो कुहरामी (माता/पिता पालक का नाम) सुपुत्र / पिता रामो कुहरामी

निवासी - गडमीरी पारा दरभा, एतद्द्वारा पूर्णत: पुष्टि करता हूँ और निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

1. मैं ग्राम गडमीरी पारा दरभा तहसील कुटरू, जिला बीजापुर (छ0ग0) का स्थायी निवासी हूँ।

2. मैं अपने नाबालिग पुत्र/पुत्री सोनम कुहरामी (SONAM KUHRAMI) से बदलकर कविता कुहरामी (KAVITA KUHRAMI) करवाना चाहती हूँ।

3. मैं अपने पुत्र / पुत्री नाम का नाम बदलकर यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूं तो उसके लिए स्वयं जिम्मेदार रहूंगा / रहूंगी।

4. मैं अपने पुत्र / पुत्री सोनम कुहरामी (SONAM KUHRAMI) को हमारे / हमारी नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नही है।

5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ ।

गंगो
माता/पिता / पालक के हस्ताक्षर

प्ररूप- (तीन)

शपथ पत्र (नाबालिग पुत्र/पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में)

मै अभिभावक कोसा राम माड़वी, (KOSA RAM MADVI), (माता / पिता/पति / पालक का नाम) सुपुत्र / पिता कुम्मा माड़वी, (KUMMA MADVI), निवासी-चिन्गेर, एतदवारा मै पूर्णत: पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ।

1. ग्राम-चिन्गेर, तह0 - कुटरू, जिला बीजापुर छ0ग0, का स्थायी निवासी हूँ। 2. मैं अपने नाबालिग पुत्र माडडा राम माड़वी, (MADDA RAM MADVI), से बदलकर राजूराम माड़वी, (RAJURAM MADVI), करवाना चाहता हूँ। 3. मैं अपने पुत्र / पुत्री का नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता/करती हूँ तो उसके लिए स्वंय जिम्मेदार रहूंगा / रहूंगी।

4. मेरी पुत्री/पुत्र माडडा राम माड़वी, (MADDA RAM MADVI), को हमारे/हमारी नाबालिग पुत्र / पुत्री के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है। 5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा / रही हूँ तथा सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही / रहा हूँ ।

कोसा राम माड़वी
माता/पिता / पालक के हस्ताक्षर

!!न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ0ग0) !!

/ / ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राधा बाई पति श्रीकांत दीवान जाति बनिया निवासी ग्राम हाथाडांडू तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि आवेदक के पति श्रीकांत दीवान पिता फागूराम दीवान का मृत्यु दिनांक 10/02/2002 को ग्राम हाथाडांडू तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में होना बताया गया है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत हाथाडांडू को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/08/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/7/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला-बेमेतरा

कार्यालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी बकावण्ड, जिला- बस्तर (छ.ग.)

/ / उद्घोषणा / /
रा0प्र0क्र0 1154 / अ-121 / 2025-26

इस उद्घोषणा के जरिए आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष बघेल पिता स्व0 श्यासुंदर जाति भतरा निवासी ग्राम किंजोली तहसील बकावण्ड जिला बस्तर ने अपने चाचा स्व0 चन्द्रो पिता स्व0 बलीराम ग्राम किंजोली तहसील बकावण्ड जिला बस्तर का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु आवेदन पेश किया है ।

अत: आवेदक के चाचा स्व0 चन्द्रो पिता स्व0 बलीराम ग्राम किंजोली तहसील बकावण्ड जिला बस्तर का मृत्यु दिनांक 31/03/2011 (इकतीस मार्च सन दो हजार ग्यारह) को ग्राम किंजोली तहसील बकावण्ड जिला बस्तर में हुआ है। आवेदक मनीष बघेल पिता स्व0 श्यासुंदर जाति भतरा निवासी ग्राम किंजोली तहसील बकावण्ड जिला बस्तर को अपने चाचा स्व0 चन्द्रो पिता स्व0 बलीराम ग्राम किंजोली तहसील बकावण्ड जिला बस्तर का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने पर यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा / आपत्ति हो तो वह अपना दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिकृत अधिवक्ता के मार्फत प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 20/08/2026 के पूर्व प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त अभ्यावेदन पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 05/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
बकावण्ड,
जिला- बस्तर

बस्तर संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में आर्यभट्ट अकादमी के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

अंडर-9 वर्ग में श्रेयांश परेडा ने जीता द्वितीय स्थान, बीजापुर का बढ़ाया मान

बीजापुर/मूक पत्रिका

बस्तर संभाग के प्रतिभाशाली शतरंज खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जगदलपुर में जी.एच. रायसोनी मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा आयोजित बस्तर स्कूल स्तरीय संभागीय शतरंज प्रतियोगिता-2026 में बीजापुर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में आर्यभट्ट अकादमी, बीजापुर से जुड़े सात विद्यार्थियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लेकर जिले का प्रतिनिधित्व किया और अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया।प्रतियोगिता में तन्मय सिंह (अंकुर पब्लिक स्कूल), अर्श आशीष घोड़ेस्वर (केंद्रीय विद्यालय), आयुष राव (आदेश्वर पब्लिक स्कूल), सौर्या दुर्गम (हैदराबाद मॉडल स्कूल), प्रभुदत्त परिडा, हिमल साउद एवं श्रेयांश परेडा (अल्फा इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल) ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने पूरे आत्मविश्वास और रणनीतिक कौशल के साथ मुकाबले खेले तथा प्रतिस्पर्धा में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।प्रतियोगिता के अंडर-9 वर्ग में श्रेयांश परेडा ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए फाइनल चरण तक पहुंचकर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता से न केवल आर्यभट्ट अकादमी बल्कि पूरे बीजापुर जिले में खुशी का माहौल है। खेल प्रेमियों और अभिभावकों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की है। आर्यभट्ट अकादमी लंबे समय से जिले के विद्यार्थियों को शतरंज सहित विभिन्न बौद्धिक प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। सीमित संसाधनों के बावजूद जिले के विद्यार्थी लगातार संभागीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो क्षेत्र में उभर रही खेल प्रतिभाओं का प्रमाण है।आर्यभट्ट अकादमी के संस्थापक एन.पी. रॉय ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं बल्कि एक ऐसा माध्यम है, जो विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता, धैर्य, निर्णय लेने की क्षमता और एकाग्रता का विकास करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके नियमित अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में बीजापुर के विद्यार्थी राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी जिले का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कोरबा प्रेस क्लब में न्यू जर्नलिस्ट फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की कोरबा इकाई की पहली बैठक संपन्न

पत्रकारों के हित में एकजुट होकर कार्य करने का लिया संकल्प, जल्द होगा अंतरराष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन

कोरबा/मूक पत्रिका

न्यू जर्नलिस्ट फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की कोरबा इकाई की पहली महत्वपूर्ण बैठक रविवार, 9 अगस्त को कोरबा प्रेस क्लब में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों, जिला पदाधिकारियों सहित संगठन के सम्मानित सदस्यों ने सहभागिता की। पत्रकारों को मिलेगी अलग पहचान-बैठक का मुख्य उद्देश्य कोरबा के पत्रकारों को एक अलग पहचान दिलाने के साथ पत्रकारों के हितों और संगठन के उद्देश्यों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाना रहा। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों एवं कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। ढ्ढस्नद्भछ्व राष्ट्रीय सचिव ने ऑनलाइन संवाद किया बैठक में ढ्ढस्नद्भछ्व के राष्ट्रीय सचिव श्री शिव शंकर सोनपिपरे दिल्ली प्रवास के कारण ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से संवाद किया। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने तथा पत्रकारों के हित में एकजुट होकर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की मुख्य लड़ाई पत्रकार सुरक्षा कानून पर बने विधेयक को पारित करवाना, पत्रकारों की पेंशन राशि में वृद्धि करवाने सहित अधिमान्यता संबंधी विशेष कार्यों के लिए संघर्ष करना होगा। एकजुटता का संकल्प-बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कोरबा के किसी भी पत्रकार को किसी भी प्रकार के सहयोग या आवश्यकता होने पर संगठन के सभी सदस्य एकजुट होकर उसका साथ देंगे। इसके लिए शीघ्र ही एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सके। कोरबा में होगा अंतरराष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन-बैठक में कोरबा में जल्द ही अंतरराष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन आयोजित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इस सम्मेलन में देश-विदेश से पत्रकारों के शामिल होने की संभावना है। संगठन का उद्देश्य इस महत्वपूर्ण आयोजन के माध्यम से कोरबा को पत्रकारिता के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना है।

गांजा तस्करी के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बलरामपुर। गांजा तस्करी के मामले में पुलिस विभाग की कार्रवाई जारी है। पुलिस द्वारा एक साल पहले जब्त किए गए गांजा तस्करी के मामले में आरोपी को पकड़ा है। ट्रैक्टर ट्राली से 117 किलो ग्राम गांजा बरामद करने के मामले में महीनों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है।

पुलिस ने यूपी के बलिया से आरोपी युवक को पकड़कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार कि 9 नवम्बर 2025 को जिले की बसन्तपुर थाना की पुलिस ने बिहार के रोहताश वंशराज निवासी राहुल कुमार यादव अ. लक्ष्मण यादव को 117 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा गया था। आरोपी ट्रैक्टर की हाइड्रोलिक ट्राली में गांजा को छिपाकर गांजा की तस्करी कर रहा था। इस मामले में एसपी वैभव बैंकर रमनलाल ने एंड टू एंड कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इसके तहत पुलिस द्वारा मामले में यूपी के बलिया निवासी आरोपी रवि कुमार गुप्ता की तलाश जारी थी। इस बीच पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी अपने घर आया हुआ है जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर यूपी बलिया के फेफ्ना कोपवा बहादुरपुर निवासी 28 वर्षीय रवि कुमार गुप्ता आ. रमेश प्रसाद गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी), (ँ) (सी) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नंबी जलप्रपात में इको-टूरिज्म की नई शुरुआत, कैंपिंग और ट्रेकिंग से बढ़ेगी बीजापुर की पहचान

नक्सलवाद का असर घटने के बाद बढ़ी पर्यटन गतिविधियां, दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेशभर से पहुंचे पर्यटक

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । बस्तर और बीजापुर में नक्सलवाद की धुंध छंटने के साथ अब इको-टूरिज्म को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ती नजर आ रही है। लंबे समय तक सुरक्षा कारणों से अनदेखे रहे प्राकृतिक स्थलों की ओर अब पर्यटकों का रुझान बढ़ रहा है। इसी कड़ी में जिले के प्रसिद्ध नंबी जलप्रपात में 8 और 9 अगस्त को दो दिवसीय कैंपिंग एवं ट्रेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रायपुर की संस्था ्रद्दशह्म्ड्ड श्वष्शह्लशह्वह्म्द्बह्यद्व और नंबी धारा समिति के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में रायपुर, दुर्ग, कोरबा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 20 पर्यटक शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नंबी जलप्रपात की प्राकृतिक सुंदरता को लोगों तक पहुंचाना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्थानीय लोगों को पर्यटन से जोड़ना रहा। दो दिनों तक पर्यटकों ने नंबी जलप्रपात, आसपास के जंगलों और प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने ट्रेकिंग और कैंपिंग का आनंद लिया तथा क्षेत्र की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को करीब से जाना। Agora Ecotourism के संस्थापक डॉ. आलोक कुमार साहू के मार्गदर्शन में यह पहल की गई। संस्था लंबे समय से छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। बीजापुर के निवासी रिशभ भी इस पहल से जुड़े हैं और जिले में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।कार्यक्रम को सफल बनाने में नंबी धारा समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति ने स्थानीय लोगों को आयोजन से जोड़ने का प्रयास किया ताकि भविष्य में पर्यटन के माध्यम से गांवों में रोजगार और आय के नए अवसर पैदा हो सकें। स्थानीय युवाओं को गाइड, कैंपिंग सहयोगी, परिवहन, भोजन व्यवस्था, होमस्टे और अन्य सेवाओं से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। पर्यटकों ने नंबी क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना करते हुए कहा कि बीजापुर में कई ऐसे प्राकृतिक स्थल हैं, जिनकी जानकारी अभी बहुत कम लोगों तक पहुंच पाई है। यदि इन स्थलों का व्यवस्थित विकास और प्रचार-प्रसार किया जाए तो यह क्षेत्र राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। आयोजन के दौरान पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने, कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। आयोजकों ने बताया कि पर्यटन का विकास प्रकृति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना होना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन प्राकृतिक धरोहरों का आनंद ले सकें।स्थानीय लोगों का मानना है कि इस तरह के आयोजन बीजापुर की सकारात्मक पहचान बनाने में मदद करेंगे। साथ ही जिले के युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते भी खोलेंगे। नंबी जलप्रपात में आयोजित यह कार्यक्रम बीजापुर में पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मल्टी सांग आफ किशोर कुमार में झूमें सुरसाधक, प्रेम प्रेरणा प्रोत्साहन ही परिवार का आधार : फ्रैंकलीन

छुरा। नगर के कृषि उपज मंडी प्रांगण में महान पार्श्व गायक किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर किशोर की यादें एक सुरमई महफिल का आयोजन किया गया इसमें रायपुर राजनांदगांव दुर्ग भिलाई रायपुर गरियाबंद फिंगेश्वर कोपरा पांडुका के साथ-साथ अंचल के सुरसाधकों ने किशोर कुमार अमित कुमार रफी लता आशा मुकेश मन्ना डे आदि के ख्यातिलब्ध गीत गाकर किशोर कुमार को स्मरण कर स्वरांजलि अर्पण किया सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं किशोर कुमार के तेल क्षेत्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई पश्चात स्वरधारा परिवार के नए सदस्यों पूनम बाजपेई राजनांदगांव अदिति सिंह उड़ीसा आशीष शिंदे राजिम हरीश निषाद प्रकाश सिन्हा कोपरा पांडुका के साथ-साथ त्रिलोक कुमार ध्रुव का स्वागत अभिनंदन किया गया मंचासीन वरिष्ठ सदस्यों सुबोध फ्रैंकलिन उत्तम पवार रायपुर हरीश ठक्कर गरियाबंद एल पी साहू कोपरा तरुणा पांडे सहित रामकरण त्रिवेदी आनंद गुप्ता सलीम मेमन का मंचीय स्वागत किया गया रुपेश शर्मा ने किशोर कुमार के जीवनी पर प्रकाश डाला किशोर की यादें कार्यक्रम की शुरुआत रुपेश शर्मा नेमीचंद यादव ने गणेश वंदना से की डिगेश्वरी गोस्वामी ने शिव भजन प्रस्तुत कर सावन को पावन बनाया विजय सिन्हा अधिवक्ता गरियाबंद ने राम भजन गाकर स्वरांजलि अर्पित किए पूनम बाजपेई ने सत्यम शिवम सुंदरम गाकर श्रोताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया पश्चात श्यामा नेताम सलीम मेमन नेमीचंद यादव आनंद गुप्ता हुमन सिन्हा नारायण प्रसाद साहू लिलेश्वर प्रसाद साहू आशीष शिंदे अदिति सिंह इमरान अली तरुणा पांडेय धनंजय हरित धर्मेश शर्मा सुबोध फ्रैंकलिन भगवान सिंह चंद्राकर दिनेश्वर साहू राजिम विनोद कुमार देवांगन मंगल मूर्ति सोनी आशीष ठक्कर अदिति सिंग ऋषि कुमार साहू पंकज गुप्ता हरिश्चंद्र निषाद छगन देवांगन चितरंजन चंद्राकर हीरालाल साहू डामिन साहू प्रकाश सिन्हा त्रिलोक कुमार ध्रुव के द्वारा सोलो सॉन्ग एवं डुएट सॉन्ग गाकर किशोर को श्रद्धांजलि स्वरांजलि अर्पित किए विशेष आकर्षण रायपुर से आए उत्तम पवार की हारमोनिका में रूप तेरा मस्ताना और घुंघरू की तरह गाने की प्रस्तुति रही कार्यक्रम का संचालन हीरालाल साहू एवं रुपेश शर्मा ने किया स्वरधारा परिवार के संस्थापक रामकरण त्रिवेदी को लक्की ट्रेडर्स छुरा की ओर से लक्की मेमन अमिताभ जैन आदि द्वारा मोमेंटो प्रदान कर सम्मान किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में अमिताभ जैन चितरंजन चंद्राकर भोज साहू तरुण वर्मा विमल पुरोहित लक्की मेमन ने सहयोग प्रदान किया कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ गणमान्य रसिकगण अब्दुल समद खान रमेश शर्मा इस्माइल मेमन विनय गुप्ता देवेन्द्र शर्मा मीरा शर्मा रश्मि गुप्ता पूनम चंद्राकर यशवंत सिन्हा चंद्रवती सिन्हा झरना दिव्य सुशांत दिव्याकर ललित वर्मा किरण बघेल त्रिलोक साहू तेजराम साहू अखिल चौबे रोशनी चौबे सचिन साहू संतोष सचदेव किसन सोनी संगीता शर्मा प्रमिला साहू कुलेश्वरी साहू ईश्वरी डिगेश संतोष नायक तिलक सहित चरौदा दादरगाँव कोसमी के रसिक गण एवं परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस, फिंगेश्वर में 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को खिलाई जाएगी एलबेंडाजोल की गोली

फिंगेश्वर । ÷स्वस्थ बच्चे, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज÷ के संकल्प के साथ 10 अगस्त 2026, सोमवार को पूरे गरियाबंद जिले सहित विकासखंड फिंगेश्वर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत 1 से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को एलबेंडाजोल की कृमिनाशक गोली खिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एस. नवरत्न के निर्देशन में आयोजित इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्नेहलता हुमने ने बताया कि 1 से 5 वर्ष तक के आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत एवं गैर-पंजीकृत बच्चों तथा 6 से 19 वर्ष तक के शाला त्यागी बच्चों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा अपने सामने एलबेंडाजोल की दवा का सेवन कराया जाएगा। वहीं 6 से 19 वर्ष तक के विद्यालयों में पंजीकृत विद्यार्थियों को शिक्षकों के माध्यम से कृमिनाशक गोली खिलाई जाएगी। इसके अलावा महाविद्यालयों एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी अभियान के अंतर्गत दवा का सेवन कराया जाएगा।

छूटे बच्चों को 17 अगस्त को मिलेगी दवा- अभियान के दौरान यदि कोई बच्चा किसी कारणवश 10 अगस्त को दवा का सेवन नहीं कर पाता है, तो ऐसे सभी बच्चों को 17 अगस्त 2026, सोमवार को आयोजित मॉप-अप राउंड में एलबेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र बच्चा कृमिनाशक दवा के सेवन से वंचित न रहे।

जमीनी अमले को दिया गया प्रशिक्षण- राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल संचालन के लिए सुपरवाइजर, आरएचओ, सीएचओ, शासकीय एवं निजी विद्यालयों के शिक्षक, महाविद्यालय एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों के शिक्षक, महिला एवं बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ब्लॉक समन्वयक मितानिन कार्यक्रम एवं मितानिन प्रशिक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। यह प्रशिक्षण खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी योगेश पराना एवं विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक सौरभ विरमानी द्वारा प्रदान किया गया।डॉ. स्नेहलता हुमने ने बताया कि बच्चों की आंतों में मौजूद कृमि शरीर के पोषक तत्वों को प्रभावित कर सकते हैं। इससे बच्चों में कमजोरी, एनीमिया, कुपोषण के साथ-साथ शारीरिक एवं मानसिक विकास में भी बाधा उत्पन्न हो सकती है। नियमित कृमि नियंत्रण बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए महत्वपूर्ण है।

एंबुलेंस की पहुंच पर सवाल, दुर्गम रास्ते ने बढ़ाई ग्रामीणों की परेशानी; जिम्मेदारों से स्थायी समाधान की मांग

कंधों पर मरीज, सवालों के घेरे में सरकारी दावे, भईसापाठ में 2 किलोमीटर तक झलगी में मरीज को ढोते रहे ग्रामीण, सड़क और स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल

कुसमी/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । सरकार लगातार गांव-गांव सड़क, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के दावे कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए करोड़ों रुपये की योजनाएं संचालित होने की बात कही जाती है, लेकिन बलरामपुर जिले के कुसमी जनपद क्षेत्र से सामने आई एक तस्वीर इन तमाम दावों की जमीनी हकीकत पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। भईसापाठ में एक बीमार मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को करीब दो किलोमीटर तक झलगी में उठाकर पैदल चलना पड़ा।मरीज को झलगी में लेकर कच्चे और दुर्गम रास्ते से गुजरते ग्रामीणों की तस्वीर सामने आने के बाद क्षेत्र में सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है। सवाल यह है कि जब किसी गांव में आपात स्थिति आती है, तब सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था और एंबुलेंस सेवा किस हद तक ग्रामीणों तक पहुंच पाती है?

एंबुलेंस की जगह ग्रामीणों के कंधे बने सहारा- बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में किसी मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। खासकर गंभीर मरीजों के मामले में कुछ मिनटों की देरी भी भारी पड़ सकती है। लेकिन भईसापाठ में सामने आई स्थिति इसके ठीक उलट दिखाई देती है।ग्रामीणों के अनुसार, रास्ते की स्थिति ऐसी है कि मरीज को वाहन से ले जाना आसान नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों ने खुद जिम्मेदारी संभाली और मरीज को झलगी में लेकर लगभग दो किलोमीटर तक पैदल सफर किया। यह दृश्य सिर्फ ग्रामीणों की मजबूरी नहीं बताता, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करता है कि यदि किसी मरीज की हालत बेहद गंभीर हो जाए तो क्या उसे समय पर अस्पताल तक पहुंचाया जा सकेगा?

दुर्गम रास्ता बना सबसे बड़ी बाधा- भईसापाठ जैसे ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में सड़क की स्थिति लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। बारिश के मौसम में कच्चे रास्तों की स्थिति और भी खराब होने की संभावना रहती है। ऐसे में पैदल आवागमन भी मुश्किल हो जाता है।सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बीमार लोगों को उठानी पड़ती है। सामान्य दिनों में किसी तरह ग्रामीण रास्ता पार कर लेते हैं, लेकिन आपात स्थिति में यही रास्ता जिंदगी और इलाज के बीच बड़ी बाधा बन सकता है।

योजनाएं कागज पर या गांव की जमीन पर?- सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर देती है। लेकिन भईसापाठ से सामने आई तस्वीर यह सवाल पूछने के लिए मजबूर करती है कि इन योजनाओं का वास्तविक लाभ दुर्गम गांवों तक कितना पहुंच रहा है?अगर किसी मरीज को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए ग्रामीणों को दो किलोमीटर तक कंधों पर उठाकर चलना पड़े, तो निश्चित रूप से व्यवस्था की जमीनी स्थिति की समीक्षा की जरूरत है।

ग्रामीणों के सामने खड़े हैं कई गंभीर सवाल- भईसापाठ की घटना के बाद ग्रामीणों की ओर से कई सवाल उठाए जा रहे हैं–क्या जिम्मेदार अधिकारियों को गांव की सड़क की वास्तविक स्थिति की जानकारी है?क्या स्वास्थ्य विभाग और एंबुलेंस सेवा के अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण किया है?आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं है?क्या पंचायत और संबंधित विभाग ने सड़क निर्माण या सुधार के लिए कोई ठोस प्रस्ताव भेजा है?क्या प्रशासन गांव तक एंबुलेंस की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थायी समाधान करेगा?

आज एक मरीज, कल किसी और की बारी?

ग्रामीणों की सबसे बड़ी चिंता यही है कि आज एक मरीज को कंधों पर उठाकर अस्पताल पहुंचाना पड़ा है, लेकिन यदि भविष्य में इससे भी गंभीर स्थिति सामने आती है तो क्या होगा?

किसी व्यक्ति को समय पर इलाज मिलना उसकी बुनियादी जरूरत है। सड़क की समस्या के कारण यदि मरीज अस्पताल पहुंचने में घंटों फंस जाए तो इसका खामियाजा मरीज और उसके परिवार को भुगतना पड़ सकता है।इसीलिए भईसापाठ की यह तस्वीर केवल एक दिन की घटना मानकर नजरअंदाज करने के बजाय सड़क, स्वास्थ्य सुविधा और आपातकालीन सेवा–तीनों की जमीनी समीक्षा की जरूरत को सामने लाती है।जिम्मेदारों को अब जमीन पर उतरना होगाग्रामीणों का कहना है कि उन्हें आश्वासन से ज्यादा स्थायी समाधान चाहिए। सड़क ऐसी हो कि जरूरत पड़ने पर एंबुलेंस गांव तक पहुंच सके और मरीज को कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले जाने की मजबूरी खत्म हो।

अब निगाहें जिला प्रशासन, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग पर हैं कि भईसापाठ की इस तस्वीर को वे महज एक घटना मानते हैं या ग्रामीणों की वर्षों पुरानी परेशानी का स्थायी समाधान निकालने की दिशा में कदम उठाते हैं।

विजन 2047 की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़: उद्योगों से आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य की नई पहल

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक विकास के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां विकास का उद्देश्य केवल नए उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक और क्षेत्रीय संतुलन के माध्यम से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए पारदर्शी, निवेश-अनुकूल और रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार किया है। वहीं वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में नई औद्योगिक नीतियों ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की कतार में खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून 2026 में टेक्सटाइल पार्क की पहली यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड 235 करोड़

रुपए के निवेश से यहां गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है। इस यूनिट से 4650 लोगों को रोजगार मिलेगा। टेक्सटाइल और गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने यह अहम कदम है।बीते ढाई वर्षों में राज्य को 264 औद्योगिक परियोजनाओं से लगभग 8.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 1.72 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 154 परियोजनाएं निर्माण, भूमि आवंटन अथवा उत्पादन के चरण तक पहुंच चुकी हैं, जबकि कई इकाइयां पहले ही उत्पादन प्रारंभ कर चुकी हैं। इसी अवधि में प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुई, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला। यह दर्शाता है कि सरकार की औद्योगिक नीतियां केवल कागज़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि धरातल पर परिणाम दे रही हैं। राज्य सरकार द्वारा लागू औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने उद्योगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन, एमएसएमई और सेवा उद्योगों को पहली बार विशेष लाभ, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मा जैसे भविष्य के क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान इस नीति की प्रमुख विशेषताएं हैं। यही कारण है कि नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर एसईजेड और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश जैसी बड़ी पहलें आकार ले रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 150 से अधिक सेवाओं वाला नया सिंगल विंडो सिस्टम, निवेशकों के लिए एआई आधारित वाणी प्रणाली, 500 से अधिक प्रशासनिक सुधार तथा प्रक्रियाओं का सरलीकरण निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रहा है। औद्योगिक विकास का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे, इसके लिए राज्य में 23 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए तथा 15 जिलों में 26 नए औद्योगिक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। सरोरा में प्लास्टिक पार्क और नवा रायपुर में टेक्सटाइल, फार्मा एवं रेडीमेड गारमेंट पार्क जैसे प्रयास औद्योगिक आधार को और मजबूत बना रहे हैं। हाल ही में विजन 2047 औद्योगिक विकास की संभावनाएं विषयक चर्चा में उद्योगमंत्री लखन लाल देवांगन ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना और निवेश को तेजी से धरातल पर उतारना है, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिकतम अवसर मिल सकें।

31 अगस्त तक एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य रूप से कराएं किसान

धान खरीदी सहित विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेने के लिए पंजीयन जरूरी, जिले में अब तक 1.87 लाख पंजीयन पूर्ण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन बेमेतरा ने जिले के समस्त कृषकों, हिस्सेदारों एवं भूमि स्वामियों से अपील की है कि वे 31 अगस्त 2026 तक अपना एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें। एग्रीस्टैक पंजीयन किसानों की भूमि एवं कृषि संबंधी जानकारी को डिजिटल रूप से व्यवस्थित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। भविष्य में धान खरीदी, खाद एवं बीज की उपलब्धता, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में यह पंजीयन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जिला प्रशासन ने किसानों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए अपने एग्रीस्टैक पंजीयन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करें और यदि किसी प्रकार की कमी अथवा लंबित प्रक्रिया है, तो उसका समय रहते निराकरण कराएं। निर्धारित समय-सीमा के भीतर पंजीयन पूर्ण नहीं होने पर संबंधित कृषक अथवा भूमि स्वामी को भविष्य में विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कृषि संबंधी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। बेमेतरा जिले में एग्रीस्टैक पंजीयन को लेकर लगातार कार्य किया जा रहा है। जिले में अब तक लगभग 1.87 लाख पंजीयन पूर्ण किए जा चुके हैं। वहीं लगभग 1.40 लाख बकेट क्लेम किए जा चुके हैं, जबकि लगभग 1.07 लाख बकेट एग्रीस्टैक पोर्टल पर लंबित प्रदर्शित हो रहे हैं। लंबित क्लेम वाले कृषकों एवं भूमि स्वामियों से अपील की गई है कि वे संबंधित कार्यालय अथवा मैदानी अमले से संपर्क कर अपने क्लेम की स्थिति की जानकारी प्राप्त करें तथा आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रिया पूर्ण कर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं। एग्रीस्टैक पंजीयन एवं लंबित क्लेम के निराकरण के लिए जिले में विभिन्न स्तरों पर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कृषक अपने क्षेत्र के पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, सहकारी समिति अथवा कृषक मित्र से संपर्क कर पंजीयन एवं क्लेम संबंधी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही जिले की सहकारी समितियों एवं कॉमन सर्विस सेंटर (ष्ट्रस्ष्ट्र) के माध्यम से भी पंजीयन और आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराने में सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए वे आज ही अपने एग्रीस्टैक पंजीयन एवं भूमि संबंधी क्लेम की स्थिति की जांच करें।

यदि पंजीयन लंबित है या भूमि

कलेक्टर और एसपी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

कोंडागांव/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने पुलिस अधीक्षक श्री पंकज चंद्रा के साथ सोमवार को विकास नगर मैदान पहुंचकर स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने समारोह के गरिमामयी एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने समारोह स्थल पर मंच व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, परेड, बैठक व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी ली और सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा आयोजन के दौरान आवश्यक समन्वय बनाए रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा और रूपेश दांडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मधोता के बाद लामकेर में बाघ की आहट, बैल का किया शिकार ग्रामीणों में दहशत

जंगल से जुड़े गांवों में बढ़ी चिंता, वन विभाग ने सतर्क रहने की दी हिदायत

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर विकासखंड के ग्राम पंचायत मधोता के बाद अब ग्राम पंचायत लामकेर के जंगल क्षेत्र में भी बाघ की मौजूदगी की आशंका से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लामकेर के जंगल में एक बैल का शिकार किए जाने की घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। इससे पहले मधोता के नकटामुंडा क्षेत्र में जंगली जानवर के पदचिन्ह मिलने से भी ग्रामीणों में भय बना हुआ था।मिली जानकारी के अनुसार गत रात्रि लामकेर के जंगल क्षेत्र में एक बैल का किसी जंगली जानवर ने शिकार कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वन विभाग के

अधिकारी सूरज कुमार कश्यप के अनुसार बैल का शिकार बाघ द्वारा किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने और जंगल में अकेले नहीं जाने की सलाह दी है। गौरतलब है कि मधोता का जंगल लामकेर से होते हुए बस्तर के विस्तृत जंगल क्षेत्र से सीधे जुड़ा हुआ है। जंगल का यह जुड़ाव जंगली जानवरों के आवागमन के लिए प्राकृतिक रास्ता उपलब्ध कराता है। ऐसे में मधोता में पदचिन्ह मिलने और इसके बाद लामकेर में बैल का शिकार होने की घटना से क्षेत्र में बाघ की गतिविधि को लेकर ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है।

खेती-बाड़ी के सीजन में बढ़ी चिंता-वर्तमान में खेती-बाड़ी का सीजन चल रहा है। बड़ी संख्या में ग्रामीण सुबह से शाम तक खेतों में काम करने के लिए निकल रहे हैं। कई खेत जंगल एवं झाड़ी वाले क्षेत्रों से लगे हुए हैं। ऐसे में जंगली जानवर की मौजूदगी ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में काम करने के दौरान विशेष सावधानी बरतना जरूरी हो गया है।

कोटवार से कराई गई मुनादी-लामकेर के सरपंच लक्ष्मण कश्यप ने बताया कि ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए गांव में कोटवार के माध्यम से मुनादी कराकर लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है। ग्रामीणों से कहा गया है कि वे अकेले जंगल की ओर न जाएं और विशेषकर सुबह-शाम खेतों एवं जंगल क्षेत्र में जाते समय सावधानी बरतें। सरपंच ने बताया कि खेती-बाड़ी के सीजन में ग्रामीणों का लगातार खेतों में आना-जाना हो रहा है, इसलिए जंगली जानवर की मौजूदगी को देखते हुए अतिरिक्त सावधानी जरूरी है।

वन विभाग की कार्रवाई जारी-वन विभाग के अधिकारी सूरज कुमार कश्यप के अनुसार घटना स्थल पर मिले साक्ष्यों के आधार पर बैल का शिकार बाघ द्वारा किया गया है। ग्रामीणों को जंगल में अकेले नहीं जाने और सतर्क रहने की सलाह दी गई है। साथ ही बाघ की गतिविधियों को देखते हुए क्षेत्र में निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

समाचार लिखे जाने तक वन विभाग की टीम द्वारा घटना स्थल पर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई जारी थी। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, सावधानी बरतें और बाघ अथवा किसी अन्य जंगली जानवर की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

नियानार में 'हर घर तिरंगा' एवं 'नशा मुक्त भारत' अभियान पर विशेष प्रचार कार्यक्रम

जगदलपुर/मूक पत्रिका

भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय जगदलपुर द्वारा जगदलपुर विकासखंड के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल नियानार में सोमवार को 'हर घर तिरंगा' एवं 'नशा मुक्त भारत अभियान' पर विशेष प्रचार कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मां शारदा लोक कला मंच जगदलपुर के 10 कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं नाटक के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान तथा नशे से होने वाले दुष्परिणामों का संदेश दिया। स्वास्थ्य विभाग की श्रीमती आरती गोस्वामी ने नशा मुक्त भारत अभियान के संबंध में विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।केंद्रीय संचार ब्यूरो के श्री बी. एस. ध्रुव द्वारा कार्यक्रम में प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। प्रश्न मंच में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा तीन प्रतिभागियों को विभाग की ओर से तत्काल पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में सरपंच श्री घेनवाराम बघेल, उप सरपंच श्रीमती सेवती पटेल, विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रणव बेनर्जी ने हर घर तिरंगा एवं नशा मुक्त भारत पर जानकारी दी तथा पूर्व सरपंच श्री सुखलाल बघेल सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने तिरंगा हाथ में लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और पूरे ग्राम का भ्रमण कर हर घर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री शशांक शेन्डे द्वारा किया गया ।

बस्तर में शिवमय हुआ माहौल, गूंजा हर-हर महादेव

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर की धरती पर आज आस्था का ऐसा नजारा देखने को मिला, जहां हर ओर भगवान शिव की भक्ति और वैदिक मंत्रों की गूंज सुनाई दी। बस्तर जिले के डिमरापाल, चिउरगांव, मधोता और भानपुरी समेत कई स्थानों पर श्रद्धा और भक्ति के साथ महा रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया।

सुबह से ही इन धार्मिक स्थलों पर शिव भक्तों की भीड़ जुटने लगी। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से अभिषेक कर सुख, शांति, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

वीओ –शिवलिंग पर जल, दूध और पूजन सामग्री अर्पित करते श्रद्धालु... चारों ओर गूंजते वैदिक मंत्र... और वातावरण में सुनाई देते हर-हर महादेव और ? नमः शिवाय के जयकारे।

महा रुद्राभिषेक के दौरान श्रद्धालु पूरी तरह शिव भक्ति में लीन नजर आए। धार्मिक अनुष्ठान में ओडिशा से पहुंचे मंत्र अभिषेक पंडितों और स्वामी जी की विशेष उपस्थिति रही। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक विधि-विधान के साथ

भगवान शिव का अभिषेक संपन्न कराया गया।

वीओ –यह आयोजन आर्ट ऑफ लिविंग परिवार से जुड़े लोगों द्वारा किया गया। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ लोगों को आध्यात्मिकता, सकारात्मक सोच और शांति से जोड़ना रहा। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव से भगवान शिव की आराधना की। किसी ने जलाभिषेक किया, तो किसी ने दूध और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भोलेनाथ से सुख-शांति की प्रार्थना की।

केंद्रीय विद्यालय और गुंजेपरती प्राथमिक स्कूल में हुआ आयोजन, 229वीं वाहिनी के अधिकारियों ने विद्यार्थियों से किया संवाद

वंदे मातरम के गीतों से गूंजे स्कूल, बच्चों ने जवानों के साथ लगाए पौधे

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। स्वतंत्रता दिवस नजदीक है और स्कूलों में भी देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। सोमवार को केंद्रीय विद्यालय बीजापुर और प्राथमिक विद्यालय गुंजेपरती में 'वंदे मातरम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों ने देशभक्ति गीत गाए। इस दौरान सीआरपीएफ की 229वीं वाहिनी के अधिकारी और जवान भी उनके साथ मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद सभी ने स्कूल परिसर में पौधे लगाए।कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम' और देशभक्ति गीतों के सामूहिक गायन से हुई। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें हिस्सा लिया। गृह मंत्रालय और सीआरपीएफ महानिदेशालय के निर्देश

पर 7 से 15 अगस्त तक चल रहे 'वंदे मातरम' अभियान के तीसरे चरण के तहत यह आयोजन किया गया।

पढ़ाई के साथ जिम्मेदारी समझें बच्चे-229वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है। इसलिए उनमें अनुशासन, कर्तव्य और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना होना जरूरी है। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई के साथ समाज के लिए भी कुछ करने की सीख दी। केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य दशरथ बारमीरा, शिक्षक और विद्यार्थी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अंत में सभी ने एक साथ 'वंदे मातरम' का गायन किया।

पौधे लगाने के साथ देखभाल का संकल्प-कार्यक्रम में देशभक्ति के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। 229वीं वाहिनी के अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में पौधे लगाए। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने और उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया गया।

- 7 से 15 अगस्त तक 'वंदे मातरम' कार्यक्रम
- केंद्रीय विद्यालय बीजापुर और गुंजेपरती में आयोजन
- विद्यार्थियों ने गाए देशभक्ति गीत
- सीआरपीएफ की 229वीं वाहिनी के अधिकारी-जवान रहे मौजूद
- स्कूल परिसर में किया पौधरोपण

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।